साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्ष: 1 • अंक: 6 • कठुआ, शनिवार 5 जुलाई 2025 • पृष्ठ: 16 • मूल्य: 5 रुपए

हमें अपनी बेटियों को बाधाओं को तोड़ते हुए और कृषि विज्ञान, प्रौद्योगिकी में सफलता प्राप्त करते हुए देखकर गर्व है : एलजी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज श्रीनगर में एसकेयूएएसटी कश्मीर के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि थे। केंद्रीय मंत्री ने स्नातक करने वाले विद्यार्थियों को उनकी नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

उपराज्यपाल ने कहा, ष्विकसित भारत, विकसित जम्मू कश्मीर और समृद्ध कृषक समुदाय हमारा संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार जम्मू–कश्मीर को बागवानी के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।ष्

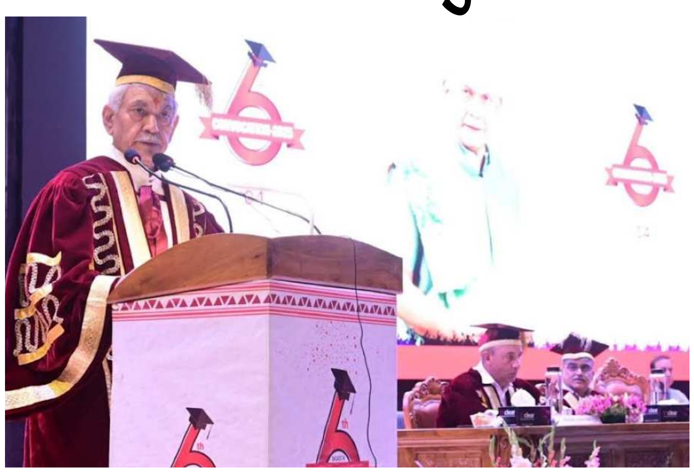

केंद्रीय मंत्री ने जम्मू कश्मीर की अपनी यात्रा के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा, ष्कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और वहां के लोगों के प्यार ने मेरा दिल जीत लिया है।ष

अपने संबोधन में, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विश्वविद्यालय को एक सक्षम और प्रतिस्पर्धी मानव संसाधन बनाने, जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में कृषि क्षेत्र को आकार देने, अपनी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार के लिए बधाई दी और छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए छात्राओं को बधाई दी।

उपराज्यपाल ने कहा, ष्हमारी बेटियों को बाधाओं को तोड़ते हुए और कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सफलता प्राप्त करते हुए देखकर गर्व होता है। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 150 छात्रों में से 115 छात्राएं थीं। 445 मेरिट सर्टिफिकेट में से 334 लड़कियों को दिए गए। आज के दीक्षांत समारोह में स्नातक, परास्नातक, पीएचडी की कुल 5250 डिग्रियों में से 2661 डिग्रियाँ छात्राओं को प्रदान की गई हैं। यह जम्मू–कश्मीर और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को दर्शाता है। उपराज्यपाल ने अपने संबोधन में पिछले कुछ वर्षों

■ शेष पेज 2...

मुख्यमंत्री ने युवाओं से नये जम्मू-कश्मीर के निर्माता बनने का आह्वान किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू एवं कश्मीर परिवर्तन के रास्ते पर है और उन्होंने युवाओं से इस बदलाव का नेतृत्व करने का आह्वान किया। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू–कश्मीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से परिवर्तन के रास्ते पर है और युवाओं को सेवा, नवाचार और नेतृत्व के माध्यम से इस परिवर्तन में सक्रिय योगदानकर्ता बनना चाहिए। मुख्यमंत्री यहां शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्व. विद्यालय (एसकेयूएएसटी)–कश्मीर के छठे दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

उपराज्यपाल और एसकेयूएएसटी–कश्मीर के चां. सलर मनोज सिन्हा भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्नातकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री, जो विश्वविद्यालय के प्रो–कुलपति भी हैं, ने युवाओं

■ शेष पेज 2...

सेना ने नौशेरा के शेर ब्रिगेडियर उस्मान को श्रद्धांजलि दी, दिल्ली में उनकी कब्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : ारतीय सेना ने गुरुवार को ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने 1947–48 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में आज ही के दिन नौशेरा की भीषण लड़ाई में आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी, ष्विशिष्ट साहस और प्रेरणादायक नेतृत्वष के साथ जिसने भारतीय सेना के पक्ष में रुख मोड़ दिया था।

उनकी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पास एक कब्रिस्तान में स्थित उनकी कब्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। जम्मू और कश्मीर में नौशेरा की लड़ाई में उनके वीरतापूर्ण प्रदर्शन के कारण उन्हें श्नौशेरा का शेरश या श्नौशेरा का शेरश का उपनाम मिला।

अधिकारी को राष्ट्र के लिए उनकी सेवाओं के लिए मरणोपरांत महावीर

■ शेष पेज 2...

श्री अमरनाथ यात्रा 2025 के स्वागत में कठुआ रिवरफ्रंट पर भव्य लेजर शो, आस्था और देशभक्ति से झलकी रोशनी

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, रू श्री अमरनाथ यात्रा 2025 के उपलक्ष्य में जिला सूचना केंद्र कठुआ की ओर से कठुआ रिवरफ्रंट पर बुधवार को लेजर शो का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आस्था, देशभक्ति और संस्कृति का सुंदर संगम बनकर उभरा, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया।

शो में शिव तांडव, गंगा आरती, देशभक्ति गीत और रोशनी–ध्वनि के बेहतरीन संयोजन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रिवरफ्रंट के किनारे मौजूद रेस्तरां में बैठे लोग भी इस नजारे का आनंद लेते दिखे। पूरा माहौल रोशनी और रंगों से जगमगा उठा।

कार्यक्रम में उपस्थित उपायुक्त कठुआ डॉ. राकेश मिन्हास ने कहा कि इस तरह

के आयोजनों का उद्देश्य लोगों को

■ शेष पेज 2...

अमरनाथ यात्रा शुरू, तीर्थयात्री बालटाल और नुनवान बेस कैंप से रवाना

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : वार्षिक अमरनाथ यात्रा गुरुवार को शुरू हुई, जिसमें तीर्थयात्रियों का पहला जत्था बालटाल और नुनवान में जुड़वां आधार शिविरों से दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर की ओर रवाना हुआ, जहां प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ का शिवलिंग है, अधिकारियों ने कहा।

यात्रा सुबह–सुबह दो रास्तों से शुरू हुई – पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान–पहलगाम मार्ग और 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग। अधिकारियों ने कहा कि पुरुषों, महिलाओं और साधुओं सहित तीर्थयात्रियों के जत्थे, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में पहलगाम के नुनवान आधार शिविर और मध्य कश्मीर के गंदेरबल के सोनमर्ग इलाके में बालटाल आधार शिविर से दिन के पहले प्रकाश

■ शेष पेज 2...

मैं सभी से कश्मीर आने और देखने का आग्रह करता हूं : चौहान

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को आम जनता से जम्मू एवं कश्मीर का दौरा करने की अपील की, जो क्षेत्र हाल ही में कई आतंकवादी घटनाओं से प्रभावित रहा है। चौहान ने कहा, ष्मैं जनता से कहना चाहता हूं कि यहां के लोग प्यार

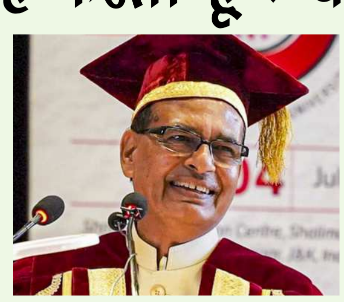

और गर्मजोशी से भरे दिल से स्वागत का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए बिना किसी डर के यहां आएं और प्यार और भाईचारे की नई मिसाल कायम करें।ष

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) के छठे दीक्षांत समारोह के अवसर पर संवाददाताओं

■ शेष पेज 2...

नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस, शोक सदेंश, गुमशुदा सूचना, बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक, सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन

MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

हमें अपनी बेटियों...

में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में हुए परिवर्तनकारी सुधारों पर बात की।

उन्होंने कहा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में कृषि और संबद्ध क्षेत्र वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार बन गया है। यह बदलाव जम्मू–कश्मीर के कृषि परिदृश्य में दृढ़ता से परिलक्षित होता है। आज, समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) पूरे देश में कृषि क्रांति का रोल मॉडल बनकर उभरा है।ष

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले पांच वर्षों में, जम्मू और कश्मीर ने कृषि और संबद्ध क्षेत्र के लिए 4 प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए हैं – कृषि क्षेत्र को एक स्थायी–व्यावसायिक कृषि अर्थव्यवस्था में बदलना, कृषि के समग्र विकास के लिए मूल्य श्रृंखला, किसान और समुदाय–केंद्रित दृष्टिकोण के साथ कृषि–व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र बनाना और कृषक परिवारों की आय में वृद्धि करना और उनकी आजीविका को सुरक्षित करना।

उपराज्यपाल ने स्नातक छात्रों से नवाचार और प्रगतिशील खेती में अपना बहुमूल्य योगदान देने और कृषि–प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी और अभूतपूर्व नवाचार में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आपका जुनून और विचार भारत के कृषि क्षेत्र के भविष्य को आकार देंगे।

उपराज्यपाल ने कहा, षशिक्षा जीवन की तैयारी नहीं है; शिक्षा स्वयं जीवन है। और, मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि शिक्षा समय और वैश्विक उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप है, तो यह समाज की सबसे कीमती संपत्ति है।ष

उपराज्यपाल ने आधुनिक, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और नए युग के शैक्षिक मंच को विकसित करने के लिए कुलपति और उनकी टीम की सराहना की। नए शैक्षणिक कार्यक्रम, आधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में उत्कृष्टता और अनुसंधान के केंद्र – कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, जीन एडिटिंग, पुनर्योजी चिकित्सा, स्पीड ब्रीडिंग – ने जम्मू और कश्मीर को ज्ञान अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब ला दिया है और यूटी की जैव–अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान किया है।

एसकेयूएएसटी कश्मीर के कुलपति प्रो. नजीर अह. गनई ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट पढ़ी और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने एसकेयूएएसटी कश्मीर में बालिका छात्रावास की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उपमुख्यमंत्री सुरेन्द्र कुमार चौधरी, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जावीद अहमद डार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री सुश्री सकीना इटू, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, कृषि उत्पादन के प्रधान सचिव शैलेन्द्र कुमार, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य नागरिक, संकाय सदस्य, कर्मचारी, स्नातक करने वाले छात्र और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

श्री अमरनाथ यात्रा 2025...

जोड़ना और कठुआ को स्वच्छ व सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाना है। उन्होंने बताया कि जल्द ही कठुआ में अंतरराष्ट्रीय स्तर का इनडोर स्टेडियम भी बनाया जा रहा है, जिससे युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं मिलेंगी।

इस अवसर पर विधायक कठुआ डॉ. भरत भूषण ने कहा कि कठुआ रिवरफ्रंट अब शहर की नई पहचान बनता जा रहा है। इस तरह के आयोजन लोगों को जोड़ने और युवाओं को प्रेरित करने का काम करते हैं।

कार्यक्रम में डीडीसी उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह, एडीसी विषवजीत सिंह, सीपीओ रंजीत ठाकुर सहित कई अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे।

यह कार्यक्रम लोगों के लिए न सिर्फ मनोरंजन का जरिया बना, बल्कि एकजुटता और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश भी लेकर आया।

मैं सभी से कश्मीर....

से बात कर रहे थे।

दीक्षांत समारोह में जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री की यह अपील 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद पर्यटन में आई गिरावट के बाद आई है, जिसमें 25 पर्यटकों और एक स्थानीय टट्टू संचालक को आतंकवादियों ने गोली मार दी थी।

उन्होंने कहा, ष्मैं कल से श्रीनगर में हूं और लगातार लोगों के बीच रहा हूं। हवा की शांति, मिट्टी की खुशबू, प्राकृतिक सुंदरता और लोगों द्वारा दिखाए गए प्यार ने मेरा दिल जीत लिया है। यह वास्तव में भारत का रत्न मुकुट और धरती पर स्वर्ग है।ष

उन्होंने कहा, ष्मैंने डल झील भी देखी और वहां शिकारे की सवारी भी की। एक भावनात्मक घटना जिसने मेरे दिल को छू लिया, वह थी जब एक शिकारे वाले ने मुझसे पूछा, श्माँ, लोगों से कहो कि वे यहाँ आएँ। हमारे दिल उनके लिए प्यार से भरे हुए हैं।शष

चौहान ने कहा कि उन्होंने जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ बैठक की और उनके साथ कृषि एवं ग्रामीण विकास पहलों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू–कश्मीर को बागवानी का केंद्र बनाने के लिए प्रयासरत है और इसी उद्देश्य से उसने सेब, बादाम और अखरोट के लिए 150 करोड़ रुपये की लागत से स्वच्छ पौध केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा, ष्किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले, रोगमुक्त पौधों की जरूरत है और यह केंद्र उन्हें यह मुहैया कराएगा। निजी नर्सरी लगाने वालों को भी सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा केसर के लिए टिशू कल्चर लैब भी स्थापित की जाएगी।ष

उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत पांच लाख लोगों का सर्वे हो चुका है और सत्यापन के बाद उन्हें मकान दिए जाएंगे।

इससे पहले छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ष्हम राज्य विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर हैं और मेरा विश्वास है कि हम जल्द ही पहले स्थान पर पहुंच जाएंगे।ष

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह कश्मीर के सेब को दुनिया के हर कोने तक पहुंचते देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, "हमें भारत को विश्व का खाद्यान्न भंडार बनाना है।"

जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, ने केंद्र शासित प्रदेश में कृषि क्षेत्र को आकार देने के लिए एसकेयूएएसटी को बधाई दी।

उन्होंने रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी तथा विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा, ष्स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 150 छात्रों में से 115 छात्राएं हैं। 445 योग्यता प्रमाण पत्रों में से 334 लड़कियों को दिए जा रहे हैं। यह जम्मू–कश्मीर और देश के उज्ज्वल भविष्य को दर्शाता है।ष

उपराज्यपाल ने छात्रों और शिक्षकों से परिसर को एक अग्रणी अनुसंधान सुविधा बनाने का भी आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के प्रो–कुलपति, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एसकेयूएएसटी की सराहना करते हुए कहा कि यह न केवल स्नातकों का कारखाना है, बल्कि जमीनी स्तर पर समस्या समाधानकर्ता भी उपलब्ध कराता है।

उन्होंने कहा कि भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि से जुड़ी हुई है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने विचारों के साथ साहसी बनें और नौकरियों की तलाश न करें, बल्कि उन्हें पैदा करें।

अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू–कश्मीर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के मार्ग पर है और उन्होंने छात्रों से इस परिवर्तन को आकार देने में सरकार की मदद करने का आह्वान किया।

इससे पहले, प्रो–चांसलर के नेतृत्व में आयोजित शपथ समारोह में विद्यार्थियों ने सत्य, कर्तव्य, दृढ़ता और प्रगति को बनाए रखने की शपथ ली।

मुख्यमंत्री ने युवाओं...

से नए जम्मू–कश्मीर के निर्माता बनने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, ष्इस नई कहानी को आकार देने में हमारी मदद करें, नारों के ज़रिए नहीं, बल्कि सेवा के ज़रिए। अधिकार के ज़रिए नहीं, बल्कि उत्कृष्टता के ज़रिए। जैसे–जैसे आप आगे बढ़ते हैं, दूसरों को भी अपने साथ आगे बढ़ने दें। चाहे आप बेंगलुरु जाएँ या बर्लिन, जम्मू–कश्मीर को अपने दिल में रखें।ष

अब्दुल्ला ने स्नातकों को याद दिलाया कि वे दुनिया में सिर्फ डिग्री लेकर नहीं बल्कि आशा, लचीलेपन और जिम्मेदारी के वाहक के रूप में कदम रख रहे हैं।

उन्होंने कहा, ष्अगर आपके पास कोई विचार है, तो हम उसे वित्तपोषित करेंगे। अगर आपके पास कोई योजना है, तो हम आपके साथ साझेदारी करेंगे। अगर आपमें हिम्मत है, तो हम आपका समर्थन करेंगे। आज दुनिया को सिर्फ़ आपके ज्ञान की ही नहीं, बल्कि आपकी करुणा, आपके साहस और आपके चरित्र की भी ज़रूरत है।ष

मुख्यमंत्री ने स्नातकों से आग्रह किया कि वे नौकरियां मांगने के बजाय नौकरियां पैदा करें, विशेषकर कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में।

उन्होंने सलाह दी, ष्कृषि–स्टार्टअप बनाएं, किसान समूहों से सलाह लें, विस्तार सेवाओं का निजीकरण करें। आप विज्ञान और समाज के बीच सेतु बनाने के लिए विशिष्ट रूप से प्रशिक्षित हैं। अपनी मिट्टी से जुड़े रहें।ष

कृषि में नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए अब्दुल्ला ने पूछा, ष्क्या आप हमारे छोटे किसानों की आय दोगुनी कर सकते हैं? क्या आप जलवायु–स्मार्ट कृषि के लिए समाधान तैयार कर सकते हैं? क्या आप ऐसे कृषि–उद्यम बना सकते हैं जो ग्रामीण रोजगार पैदा करें? यदि हाँ, तो यह जान लें कि आप कभी अकेले नहीं चलेंगे। जम्मू–कश्मीर की सरकार आपके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।ष बीज के रूपक का उपयोग करते हुए उन्होंने छात्रों से उद्देश्य के साथ बढ़ने को कहा।

ष्एक बीज अंधकार और प्रतिरोध का सामना करता है। फिर भी यह एक पेड़ बन जाता है जो छाया, फल और आश्रय प्रदान करता है। अपने आप को सही जगह पर रोपें। अपने सपनों को प्रयास से सींचें। आपकी वृद्धि से दुनिया को लाभ होगा,ष उन्होंने कहा।

मुख्यमंत्री ने शीतोष्ण बागवानी, टिकाऊ पर्वतीय कृषि, जैविक खेती और पशुधन अनुसंधान में अग्रणी कार्य के लिए एसकेयूएएसटी–कश्मीर की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, ष्इस विश्वविद्यालय ने न केवल विद्वानों को तैयार किया है, बल्कि क्षेत्र स्तर के अन्वेषकों को भी तैयार किया है जो किसानों के समक्ष आने वाली वास्तविक समस्याओं का समाधान कर रहे हैं।ष

कृषि को जम्मू–कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ और वहां के लोगों की सांस्कृतिक आत्मा बताते हुए अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश की पहचान को आकार देने में इस क्षेत्र की भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, ष्हमारी 70 प्रतिशत से अधिक आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। यह केवल एक व्यवसाय नहीं है, यह हमारी जीवनशैली को परिभाषित करता है।ष

मुख्यमंत्री ने आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप कृषि को ढालने की तत्काल आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

अब्दुल्ला ने कहा, "कल की कृषि कल की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकती।"

उन्होंने कहा, ष्जलवायु परिवर्तन, भूमि क्षरण और बाजार अनिश्चितताओं के लिए नवीन, तकनीक–संचालित समाधान की आवश्यकता है।ष

मुख्यमंत्री ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि इस वर्ष अधिकांश स्वर्ण पदक छात्राओं को मिले।

उन्होंने कहा, ष्इस देश की बेटियों, आप अपनी प्रतिभा से एक सुनहरे भविष्य की पटकथा लिख रही हैं। आप इसी तरह चमकती रहें और प्रेरणा देती रहें।ष उन्होंने छात्रों और उनके परिवारों को उनके ष्बलिदान और समर्थनष के लिए बधाई दी।

अब्दुल्ला ने सभी स्नातकों, पुरस्कार विजेताओं और शिक्षकों को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि जम्मू और कश्मीर के युवा इस क्षेत्र को वैज्ञानिक, टिकाऊ और सम्मानजनक भविष्य की ओर ले जाएंगे।

अमरनाथ यात्रा शुरू....

में रवाना हुए।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संबंधित आधार शिविरों से जत्थों को रवाना करते समय श्बम बम बोलेश के नारे हवा में गूंजने लगे।

बुधवार (2 जुलाई, 2025) को जम्मू के भगवती नगर में यात्रा बेस कैंप से 5,892 यात्रियों के पहले जत्थे को लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

दोपहर में तीर्थयात्री कश्मीर घाटी पहुंचे और प्रशासन और स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

वे गुफा मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे, जहां प्राकृतिक रूप से बर्फ से बने शिवलिंग का निर्माण होता है।

यात्रा के सुचारू संचालन के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस और अन्य अर्धसैनिक बलों के हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। हवाई निगरानी भी की जाएगी।

38 दिवसीय तीर्थयात्रा 9 अगस्त को समाप्त होगी।

सेना ने नौशेरा...

चक्र से सम्मानित किया गया था। भारतीय सेना के ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स एंड स्ट्रैटेजिक मूवमेंट के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह और पैराशूट रेजिमेंट के कर्नल ने पुष्पांजलि अर्पित की एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कई अन्य सेवारत और सेवानिवृत्त सेना अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

ष्रुनौशेरा का शेर ब्रिगेडियर एम उस्मान पैराशूट रेजिमेंट जम्मू और कश्मीर 03 जुलाई 1948 वीरता की प्रतिमूर्ति, ब्रिगेडियर एम उस्मान ने नौशेरा के भीषण युद्ध में सामने से नेतृत्व किया, विशिष्ट साहस और प्रेरणादायक नेतृत्व के साथ, जिसने रुभारतीय सेना के पक्ष में ज्वार को मोड़ दिया। रुमहावीरचक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित। हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं!ष भारतीय सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा।

सेना ने ब्रिगेडियर उस्मान द्वारा जारी 16 मार्च, 1948 के आदेश वाले एक अभिलेखीय दस्तावेज की एक छवि भी साझा की, जो उस समय 50 (आई) पैरा ब्रिगेड के कमांडर थे।

वह 1947–48 के युद्ध के दौरान जम्मू और कश्मीर में झंगर और नौशेरा पर फिर से कब्जा करने के लिए जिम्मेदार थे

उन्होंने बताया कि उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन, तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन केंद्रीय मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद और शेख अब्दुल्ला शामिल हुए।

सेना ने बताया कि अधिकारी ने भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप व्यक्तिगत साहस, नेतृत्व के असाधारण गुणों और कर्तव्य के प्रति समर्पण का उदाहरण पेश किया और उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

सेना ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा, ष्रुनौशेरा का शेर ब्रिगेडियर एम उस्मान, रुएमवीसी (पी) के सम्मान में एक पुष्पांजलि समारोह जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय कब्रिस्तान, रुनई दिल्ली में आयोजित किया गया। पैराशूट रेजिमेंट के कर्नल लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने सेवारत कर्मियों और रुदिग्गजों के साथ श्नौशेरा के नायकश को श्रद्धांजलि दी। सबसे गहरे सम्मान और स्मरण के साथ, उनकी परपोती सना फिरोजुद्दीन और जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा भी पुष्पांजलि अर्पित की गई। रुभारतीय सेना,ष सेना ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा और समारोह की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं।

पंजाब : मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल का इस्तीफा, विभाग की परफॉर्मेंस रिपोर्ट पर छोड़ा पद

पंजाब के कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. सूत्रों के अनुसार, विभागीय प्रदर्शन रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया. धालीवाल, अजनाला से विधायक और आम आदमी पार्टी के एनआरआई मामलों के मंत्री थे.

नई दिल्ली

पंजाब के कैबिनेट मिनिस्टर कुलदीप सिंह धालीवाल ने इस्तीफा दे दिया है. पंजाब सरकार के सूत्रों के हवाले से ये खबर आई है. माना जा रहा है कि विभागों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट के आधार पर आलाकमान की ओर से इस्तीफा दिए जाने के निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद उन्होंने पद छोड़ा है. कुलदीप सिंह आम आदमी पार्टी की सरकार में छत्- अफेयर्स मिनिस्टर थे.

कुलदीप सिंह धालीवाल अजनाला विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और पंजाब की भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं. कुलदीप सिंह धालीवाल का जन्म 1962 में पंजाब के अजनाला में हुआ था. उनके पिता का नाम हरबंस सिंह है. कुलदीप सिंह ने 10वीं तक की पढ़ाई अमृतसर के सरकारी स्कूल से की है.

अजलाना सीट से दर्ज की जीत

अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती वर्षों में उनका कांग्रेस से नाता रहा. धालीवाल ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भाग लेने के लिए अमे. रिकी नागरिकता त्याग दी थी. उन्होंने 2014 में अमेरिका छोड़ दिया और 13 साल वहां रहने के बाद राजनीति में शामिल होने के लिए वापस आ गए.

धालीवाल ने दावा किया था कि अमेरिका जाने से पहले उन्हें जगदेव कलां गांव का सरपंच चुना गया था. 2022 के पंजाब चुनावा. ` में आम आदमी पार्टी ने अमृतसर से धालीवाल के रूप में अपने एनआरआई मामलों के मंत्री को चुना था. वह 2019 के लोकसभा चुनावों में हार गए थे. उन्हें सिर्फ 20,087 वोट मिले थे, जो कुल डाले गए वोटों का मात्र 2.34 प्रतिशत था.

कांग्रेस के गुरजीत सिंह औजला ने 4.45 लाख से अधिक वोट हासिल करके आराम से चुनाव जीता था. हालांकि, आप की लहर पर सवार होकर धालीवाल ने 2022 का विधानसभा चुनाव अजनाला विधानसभा सीट से जीत लिया.

19 मार्च, 2022 को पंजाब राजभवन में उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली. धाल. ीवाल को मान मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री के रूप में पंजाब सरकार के तीन विभागों का प्रमुख नियुक्त किया गयारू ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग और एनआरआई मामले विभाग.

प्रदूषण बहाना, मकसद लोगों को लूटना... पुरानी गाड़ियों के बैन पर मनीष सिसोदिया का बीजेपी पर निशाना

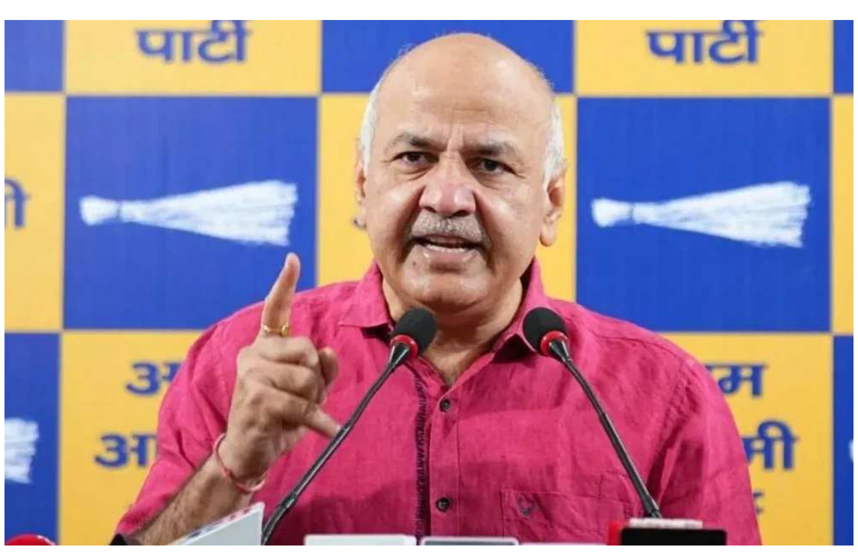

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने राजधानी में पुरानी गाड़ियों के प्रवेश पर रोक को बड़ी साजिश करार दिया है. उन्होंने आरोप लगाया है कि ऑटो कंपनियों से सांठगांठ कर 61 लाख मीडिल क्लास को नई गाड़ियां खरी. दने को मजबूर किया जा रहा है.

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली की सड़कों से पुरानी गाड़ियों को हटाने के फैसले को गलत बताया है. उन्होंने आरोप लगाया कि ये फैसला बीजेपी और ऑटो कंपनियों के बीच सांठगांठ का परिणाम है. बीजेपी ऑटो कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए दिल्ली के 61 लाख मीडिल क्लास को नई गाड़ियां खरीदने के लिए मजबूर कर रही है. जबकि इनमें से कई गाड़ियां बहुत कम चली हैं और प्रदूषण भी नहीं कर रहीं हैं.

उन्होंने कहा कि फुलेरा की पंचायत वाली सरकार के इस फैसले से सिर्फ वाहन निर्माता कंपनियों, स्क्रैप डीलर, हाई सिक्युरिटी नंबर प्लेट बनाने वाली कंपनियों को फायदा होगा. आप की मांग है कि सरकार पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल पंप पर तेल नहीं देने के जनविरोधी आदेश तुरंत वापस ले. फुलेरा की पंचायत की शैली में चल रही सरकार

पत्रकारों से बात करते हुए आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि जिस तरह से साम, दाम, दंड, भेद और झूठ बोलकर, साजिशें करके, लोगों को बदनाम करके फुलेरा की नई पंचायत बनती है. दिल्ली सरकार भी फुलेरा की नई पंचायत की तरह व्यवहार कर रही है. साम, दाम, दंड, भेद करके, नई दिल्लीज और पुलिस का दुरुपयोग करके इन्होंने फुलेरा की नई पंचायत बना ली.

मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के 10 साल पुराने 61 लाख वाहन मालिकों के दर्द को समझना जरूरी है. दिल्ली सरकार ने दिल्ली के लोगों के लिए उनकी कार, मोटरसाइकिल चलाना मुश्किल कर दिया है. सरकार का आद. `श है कि 10 साल पुरानी पेट्रोल और 15 साल पुरानी डीजल गाड़ियों को ईंधन नहीं मिलेगा. बहाना प्रदूषण का है, लेकिन निशाना दिल्ली के आम आदमी को लूटने का है. दिल्ली में 18 लाख कारें और 41 लाख बाइक हैं. कुल 61 लाख परिवारों के वाहन पर बीजेपी सरकार के इस फैसले की वजह से गाज गिर रही है.

ऑटो मोबाइल कंपनियों से सांठ गांठ का आरोप

मनीष सिसोदिया ने कहा कि बीजेपी सरकार के इस फैसले से ऑटो मोबाइल कंपनियां सबसे ज्यादा फायदे में हैं. मजबूर होकर 18 लाख लोगों को नई कार और 41 लाख लोगों को नई बाइक खरीदनी पड़ेगी. मनीष सिसोदिया ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद वरिष्ठ नागरिक कहां से नई कार रखीदेगा? आज दिल्ली के अंदर बुजुर्गों में यही चर्चा चल रही है कि वह तो 10–15 किमी चलाने के हफ्ते में दो–चार दिन ही गाड़ी बाहर निकालते हैं.

यात्रा के पहले दो दिनों में 20,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ मंदिर के दर्शन किए : एलजी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को बताया कि तीर्थयात्रा के पहले दो दिनों के दौरान 20,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने दक्षिण कश्मीर हिमालय में पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ के शिवलिंग के दर्शन किए हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पूरे केंद्र शासित प्रदेश में उत्सव और उत्साह का माहौल है।

मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले में बालटाल आधार शिविर में यात्री निवास परिसर का उद्घाटन करने के बाद सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा, "अब तक, जानकारी के अनुसार, 20,000 से अधिक भक्तों ने बाबा के दर्शन किए हैं।"

अमरनाथ यात्रा : यूपी के तीर्थयात्री की शेषनाग बेस कैंप में मौत

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा के शेषनाग आधार शिविर में बेहोश होकर गिरने से उत्तर प्रदेश के एक तीर्थयात्री की मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी निवासी दिलीप श्रीवास्तव नामक तीर्थयात्री 38 दिन की तीर्थयात्रा के दूसरे दिन शेषनाग आधार शिविर में बेहोश हो गया।

उन्होंने बताया कि श्रीवास्तव को तुरंत शेषनाग बेस कैंप अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

जम्मू संभाग की जिला अदालतों के लिए 7 जुलाई से नए समय की घोषणा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने अधिसूचित किया है कि 7 जुलाई, 2025 से जम्मू प्रांत के सभी जिला न्यायालय 22 मई, 2020 के पूर्व आदेश में उल्लिखित कार्यालय और अदालत के समय का पालन करेंगे।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, कार्यालय समय सुबह 9रू30 बजे से दोपहर 1रू00 बजे तक और दोपहर 2रू00 बजे से शाम 4रू30 बजे तक होगा, जबकि न्यायालय का कार्य समय सुबह 10रू00 बजे से दोपहर 1रू00 बजे तक और दोपहर 2रू00 बजे से शाम 4रू00 बजे तक होगा, जिसमें दोपहर 1रू00 बजे से दोपहर 2रू00 बजे तक का अवकाश होगा।

अदालतों के समय के संबंध में 8 अप्रैल, 2025 की पूर्व अधिसूचना वापस ले ली गई है।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने सीडीएफ बढ़ाकर प्रति विधायक 4 करोड़ रुपये किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू और कश्मीर सरकार ने निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि (सीडीएफ) योजना में संशोधन को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 से विधानसभा सदस्यों (विधायकों) के लिए वार्षिक आवंटन 300 लाख रुपये से बढ़ाकर 400 लाख रुपये कर दिया गया है।

वित्त विभाग द्वारा जारी एक सरकारी आदेश में कहा गया है, ष्सरक. ारी आदेश संख्या 76–एफडी 2025 दिनांकरू 10/03/2025 के क्रम में, निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि (सीडीएफ) योजना में मौजूदा दिशानिर्देशों में तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित संशोधनों को मंजूरी दी जाती है : वित्तीय वर्ष 2025–26 से इस योजना के तहत प्रत्येक माननीय विधायक को प्रति वर्ष मौजूदा 300 लाख रुपये से बढ़ाकर 400 लाख रुपये सीडीएफ दिया जाएगा।

आदेश में आगे कहा गया है, ष्विधायक वित्तीय वर्ष शुरू होने के 90 दिनों के भीतर वार्षिक सीमा तक के कार्यों की सिफारिश करेंगे।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

मुख्य सचिव ने जलविद्युत विकास को सामुदायिक सशक्तिकरण के साथ जोड़ा

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज जम्मू–कश्मीर में विभिन्न नदियों पर जलविद्युत परियोजनाओं के त्वरित विकास की समीक्षा और रणनीति बनाने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में प्रशासन की इस क्षेत्र की अपार जलविद्युत क्षमता का दोहन करने की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया, जो यहां सतत विकास और समृद्धि की आधारशिला है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख सचिव, विद्युत विकास विभाग (पीडीडी); प्रमुख सचिव, आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण (डीएमआरआरएंडआर); प्रमुख सचिव, वित्त; और महानिदेशक, बजट आदि शामिल थे। संबंधित उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

इस समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने स्पष्ट रूप से टिप्पणी की कि जलविद्युत हमारे केंद्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है, इसलिए हमारा सामूहिक प्रयास निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी परियोजनाओं को पूरा करके उत्पादन क्षमता को बढ़ाना होगा। उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने, औद्योगिक विकास को गति देने और जम्मू–कश्मीर में रोजगार के अवसर पैदा करने में जलविद्युत की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए समय–सीमा का सख्ती से पालन करने की अनिवार्यता पर जोर दिया।

चर्चा का मुख्य फोकस नई परियोजनाओं से प्रभावित समुदायों के लिए समग्र पुनर्वास और पुनर्वास (आर एंड आर) योजनाओं पर रहा। मुख्य सचिव ने एक दूरदर्शी दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि नवनिर्मित परियोजनाओं के लिए आर एंड आर योजनाओं में स्थानीय युवाओं को दिए जाने वाले

बाजार–संचालित कौशल शामिल होने चाहिए। इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों को प्रासंगिक कौशल से लैस करना होना चाहिए, ताकि वे विकसित हो रहे आर्थिक परिदृश्य में सहज रूप से एकीकृत हो सकें और विकास पहलों से सीधे लाभान्वित हो सकें।

इसके अलावा, मुख्य सचिव डुल्लू ने स्थानीय क्षेत्र विकास घटक के माध्यम से सामुदायिक जरूरतों को संबोधित करने के सर्वोपरि महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अधिकारियों से स्थानीय लोगों द्वारा उठाए गए विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन बड़े पैमाने की परियोजनाओं के लाभ सीधे परियोजना के आसपास रहने वाले लोगों के जीवन में ठोस सुधार के रूप में परिवर्तित हों।

बैठक में जम्मू–कश्मीर की विशाल जलविद्युत क्षमता का दोहन करने की महत्वाकांक्षी योजनाओं और चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला गया, जो क्षेत्र की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

पीडीडी के प्रधान सचिव राजेश प्रसाद ने अपनी प्रस्तुति में बताया कि जम्मू–कश्मीर में लगभग 18,000 मेगावाट की अनुमानित जलविद्युत क्षमता है, जिसमें से लगभग 15,000 मेगावाट की पहचान पहले ही की जा चुकी है। वर्तमान में, 3540.15 मेगावाट का दोहन किया जा चुका है, जिसमें यूटी क्षेत्र से 1197.4 मेगावाट, केंद्रीय क्षेत्र (एनएचपीसी लिमिटेड) से 2250 मेगावाट और स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) से 92.75 मेगावाट शामिल है।

उन्होंने आगे बताया कि यूटी ने शेष जलविद्युत क्षमता को तेजी से विकसित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी मार्ग पर कदम बढ़ाया है और बताया कि 15 परियोजनाएं, कुल मिलाकर 7768 मेगावाट, कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इसमें 3063.5 मेगावाट की निर्माणाधीन परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें से 49.5 मेगावाट यूटी क्षेत्र में और 3014 मेगावाट संयुक्त उद्यम में हैं। बैठक में बताया गया कि जिन परियोजनाओं के लिए निविदा जारी की गई है या जो पुरस्कार चरण में हैं, वे कुल मिलाकर 641 मेगावाट हैं, जिसमें यूटी क्षेत्र में 141 मेगावाट और केंद्रीय क्षेत्र में 500 मेगावाट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त जांच/मूल्यांकन/डीपीआर चरण के उन्नत चरण में और निविदा के लिए तैयार परियोजनाओं में 4063.5 मेगावाट शामिल हैं, जिसमें यूटी क्षेत्र में 390 मेगावाट, केंद्रीय क्षेत्र (एनएचपीसी) में 2743.5 मेगावाट और संयुक्त उद्यम क्षेत्र में 930 मेगावाट शामिल हैं। यूटी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली प्रमुख परियोजनाओं की स्थिति का आकलन किया गया, जिनमें परनई एचईपी (37.5 मेगावाट) शामिल है, जिसकी भौतिक प्रगति 64: (15 जून, 2025 तक) है, इस परियोजना के दिसंबर 2027 तक चालू होने का अनुमान है। करना एचईपी (12 मेगावाट) के बारे में कहा गया कि इसमें 74.75: (30 मई, 2025 तक) भौतिक प्रगति हुई है और इसके नवंबर 2025 तक चालू होने की उम्मीद है।

इसी तरह, जेवी क्षेत्र (सीवीपीपीएल) के अंतर्गत आने वाली पकालदुल एचईपी (1000 मेगावाट) को 70: भौतिक प्रगति (30 जून, 2025 तक) प्राप्त करने के लिए कहा गया। इसके दिसंबर 2026 तक पूरा होने का अनुमान है।

संयुक्त उद्यम क्षेत्र (सीवीपीपीएल) के अंतर्गत ली गई किरू एचईपी (624 मेगावाट) के बारे में बैठक में बताया गया कि इसने 64: भौतिक प्रगति (30 जून, 2025 तक) दर्शाई है, इस परियोजना के दिसंबर 2026 तक चालू होने की उम्मीद है।

इसी तरह क्वार एचईपी (540 मेगावाट) के बारे में कहा गया कि इसने 22.15: (30 जून, 2025 तक) की प्रगति हासिल कर ली है, इसलिए इसके मार्च 2028 तक चालू होने का अनुमान है।

संयुक्त उद्यम क्षेत्र (आरएचपीसीएल) के अंतर्गत ली गई मेगा रैटल एचईपी (850 मेगावाट) ने भी उल्लेखनीय उत्खनन प्रगति हासिल की है, जिसमें पावरहाउस और ट्रांसफॉर्मर कैवर्न के लिए 81:, बांध के लिए 100: और टीआरटी के लिए 95: शामिल है। बैठक में बताया गया कि इसके अगस्त 2029 तक चालू होने का अनुमान है। निविदा में शामिल परियोजनाओं में न्यू गंदेरबल (93 मेगावाट), लोअर कलनई (48 मेगावाट) शामिल हैं। पाइपलाइन में आने वाली आगामी परियोजनाओं में सावलकोट (1856 मेगावाट, एनएचपीसी), किरथाई शामिल हैं।

मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों को निपटाने के लिए विशेष मध्यस्थता अभियान फॉर द नेशन शुरू किया गया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (छ.।स्.।) ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (डब्ब्) के साथ मिलकर मध्यस्थता श्राष्ट्र के लिएश नामक एक विशेष मध्यस्थता अभियान की परिकल्पना की है। यह पहल भारत के मुख्य न्यायाधीश और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के मार्गदर्शन में शुरू की जा रही है, जो छ।स्। के कार्यकारी अध्यक्ष और डब्ब् के अध्यक्ष भी हैं।

यह अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है और 1 जुलाई से 22 सितंबर, 2025 तक मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों को निपटाने के लिए एक गहन अभियान के रूप में चलाया जाएगा। यह भारत भर के तालुका न्यायालयों, जिला न्यायालयों और उच्च न्यायालयों को कवर करेगा।

वाईपी बौर्नी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जम्मू/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जम्मू की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला मुख्यालय जम्मू के न्यायिक अधिकारियों के साथ विशेष मध्यस्थता अभियान– "राष्ट्र के लिए मध्यस्थता" के संबंध में एक बैठक हुई।

इस अभियान का उद्देश्य भारत के सभी तालुका न्यायालयों, जिला न्यायालयों और उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निपटाना है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने न्यायिक अधिकारियों को अभियान के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और समयसीमा के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य लंबित मामलों और अदालती लंबित मामलों को कम करना, वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र उपलब्ध कराना, वादियों के लिए समय और लागत बचाना, सौहार्दपूर्ण समझौतों को बढ़ावा देना और न्याय तक पहुंच बढ़ाना है।

बाद में, जम्मू के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाईपी बौर्नी ने भी मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए यह जानकारी साझा की।

विशेष अभियान के दौरान, सभी मामले जिनमें समझौते के तत्व शामिल हैं, उन्हें मध्यस्थता के लिए भेजा जा सकता है। इनमें वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा मामले, आपराधिक समझौता योग्य अपराध, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, विभाजन, बेदखली, भूमि अधिग्रहण और अन्य उपयुक्त सिविल मामले जैसी विभिन्न श्रेणियों के तहत लंबित मामले शामिल हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाईपी बौर्नी ने आगे बताया कि अभियान अवधि के दौरान जम्मू जिले की सभी अदालतें मध्यस्थता प्रक्रिया के माध्यम से निपटान के लिए योग्य मामलों को लेंगी।

उन्होंने आम जनता से आग्रह किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने लंबे समय से लंबित विवादों को मध्यस्थता के माध्यम से सौहार्दपूर्ण और कुशलतापूर्वक हल करें।

वादी अपने मामलों को मध्यस्थता पैनल के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए अपनी संबंधित अदालतों से संपर्क कर सकते हैं।

इसके अलावा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जम्मू ने बार एसोसिएशन जम्मू के अध्यक्ष के साथ बैठक की और राष्ट्र के लिए मध्यस्थता नामक चल रहे विशेष अभियान के बारे में वकील बिरादरी को अवगत कराया और वकीलों से पूर्ण सहयोग मांगा। बार एसोसिएशन जम्मू के अध्यक्ष ने इस विशेष अभियान को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

महिलाओं को सालाना 10 लाख रुपये से अधिक कमाने के लिए प्रयास करने होंगे : चौहान

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि सरकार महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी सालाना आय 10 लाख रुपये से अधिक हो।

चौहान यहां शहर के बाहरी इलाके खोनमोह में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों की उपलब्धियों का जश्न मनाने वाले 'लखपति दीदी सम्मेलन' कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा, ष्हमारी बहनें और बेटियां गरीबी से प्रभावित न हों, उनका जीवन बेहतर हो और उनका आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण हो। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनआरएलएम कार्यक्रम चल रहा है।ष्

चौहान ने कहा, ष्जम्मू–कश्मीर सरकार भी यही अभियान चला रही है। इसका उद्देश्य उन महिलाओं को लखपति बनाना है जिनकी सालाना आय 1 लाख रुपये से अधिक है। कई महिलाएं 1 लाख रुपये से अधिक कमा रही हैं। अब हमें अपनी बहनों को करोड़पति बनाने का प्रयास करना है, जिनकी सालाना आय 10 लाख रुपये से अधिक हो।ष्

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित एक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम है।

इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से श्लखपति दीदीश पहल के तहत सैकड़ों महिला लाभार्थियों ने भाग लिया और आर्थिक आत्मनिर्भरता और परिवर्तन की अपनी प्रेरक यात्रा साझा की।

श्लखपति दीदीश एक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्य है जिसकी वार्षिक घरेलू आय 1 लाख रुपये से अधिक है।

केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए महिलाओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें ष्वास्तविक परिवर्तन निर्माताष् बताया तथा ग्रामीण महिलाओं को समर्थन देने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

श्री बूढ़ा अमरनाथ जी यात्रा 2025 : डीसी ने पुंछ शहर का दौरा किया; आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

पुंछ : आगामी श्री बुड्ढा अमरनाथ जी यात्रा 2025 के सुचारू और परेशानी मुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक सक्रिय कदम के तहत, पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने आज प्रशासन और संबद्ध विभागों की तैयारियों का आकलन और समीक्षा करने के लिए एक व्यापक शहर का दौरा किया।

उपायुक्त के साथ अतिरिक्त उपायुक्त, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी नगर पालिका, तहसीलदार हवेली तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। यात्रा प्रबंधन समिति के सदस्य भी निरीक्षण मंब शामिल हुए।

इस दौरान डीसी ने कॉलेज ग्राउंड, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज पुंछ, आईटीआई, श्री दशनामी अखाड़ा पुंछ सहित ठहरने और सुविधा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों के लिए सुविधाओं का भी जायजा लिया। उपायुक्त ने अंतर–विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया तथा संबंधित विभागों और नोडल अधिकारियों को पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सहायता, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, स्वच्छता, मोबाइल शौचालय, यातायात, सुरक्षा, पार्किंग और आवास सुविधाएं तथा लंगरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीसी ने तीर्थयात्रियों के लिए अनुकूल माहौल बनाने, साफ–सफाई सुनिश्चित करने के अलावा श्रद्धालुओं को चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

डीसी ने इस आध्यात्मिक यात्रा को सभी तीर्थयात्रियों के लिए शांतिपूर्ण, सुरक्षित और यादगार अनुभव बनाने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

उन्होंने सभी हितधारकों से सतर्क रहने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि यात्रा की हर आवश्यकता को समय रहते पूरा किया जाए।

संज्या 2025 : डीसी बांदीपोरा ने शादीपोरा ट्रांजिट कैंप का निरीक्षण किया, यात्रियों के लिए सुविधाओं की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

बांदीपोरा : श्री अमरनाथ जी यात्रा (संज्या) 2025 के लिए निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित करने के चल रहे प्रयासों के तहत, डिप्टी कमिश्नर (डीसी) बांदीपोरा, मंजूर अहमद कादरी ने तीर्थयात्रियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं और सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए शाद. 'पोरा ट्रांजिट कैंप का निरीक्षण किया।

इस यात्रा का उद्देश्य प्रमुख पारगमन बिंदुओं में से एक पर यात्रियों के लिए स्थापित बुनियादी ढांचे, रसद और सहायता प्रणालियों का प्रत्यक्ष मूल्यांकन करना था।

इस अवसर पर, डीसी के साथ एसडीएम सुंबल, तहसीलदार सुंबल और अन्य संबंधित अधिकारी भी थे।

निरीक्षण के दौरान, डीसी ने आवास व्यवस्था, स्वच्छता उपायों, चिकित्सा सहायता स्टेशनों और अन्य महत्वपूर्ण सुविधाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने तीर्थयात्रियों के लिए परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने के लिए स्वच्छता बनाए रखने, चौबीसों घंटे चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने और सुरक्षा मानकों को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

यात्रा के दौरान यात्रियों से बातचीत करते हुए डीसी ने उनके अनुभव पर सीधी प्रतिक्रिया मांगी। तीर्थयात्रियों ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया, विशेष रूप से स्वच्छ आवास, समय पर चिकित्सा सहायता और सहयोगी सहायक कर्मचारियों की उपलब्धता पर प्रकाश डाला। कादरी ने संबंधित विभागों को सतर्क रहने और किसी भी उभरती हुई समस्या का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया।

डीसी डोडा ने सीएलयू बैठक की अध्यक्षता की, 3 मामलों को मंजूरी दी

सबका जम्मू कश्मीर

डोडा : उपायुक्त डोडा हरविंदर सिंह ने आज मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल, डीसी ऑफिस कॉम्प्लेक्स, डोडा में भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जिले में लंबित और नए सीएलयू मामलों की स्थिति की समीक्षा और आकलन किया गया। बैठक का उद्देश्य कानूनी और पर्यावरणीय मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए भूमि उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना था। बैठक में एडीसी डोडा अनिल कुमार ठाकुर, एडीसी भद्रवाह सुनील भूत्याल, एसीआर डोडा अशरफ परवेज, डीएफओ डोडा, तहसीलदार डोडा, मुख्य कृषि अधिकारी (सीएओ) अमजद हुसैन, तहसीलदार और राजस्व विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उपायुक्त ने सीएलयू मामला. ें के समय पर निपटान के लिए अंतर–विभागीय समन्वय के महत्व पर बल दिया तथा विभागों को अनावश्यक देरी से बचने के लिए प्रत्येक आवे. दन पर स्पष्ट, तथ्यात्मक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कई लंबित और नए सीएलयू आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रत्येक मामले की व्यवहार्यता, भूमि कानूनों के अनुपालन से कृषि उत्पादकता, वन क्षेत्र और बिजली आपूर्ति और सड़क संपर्क जैसी बुनियादी ढांचागत आवश्यकताओं पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में जांच की गई।

इस विस्तृत समीक्षा के बाद, 3 सीएलयू मामलों को मंजूरी दी गई, जबकि उपायुक्त ने संबंधित विभागों को शेष मामलों के सत्यापन में तेजी लाने, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि खेती के तहत या संरक्षित वनों के अंतर्गत आने वाली भूमि को उचित औचित्य के बिना परिवर्तित नहीं किया जाए और अनुमति देने में पारदर्शिता बनाए रखें।

उपायुक्त ने आवेदकों को सीएलयू स्वीकृति प्राप्त करने में शामिल दस्तावेजों और प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे भूमि मालिकों का मार्गदर्शन करने के लिए तहसील और ब्लॉक स्तर पर जागरूकता सत्र आयोजित करें। इसके अलावा, उन्होंने कृषि विभाग को स्थानीय खाद्य सुरक्षा पर प्रस्तावित रूपांतरणों के प्रभाव का आकलन करने और वन विभाग को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि सीएलयू की आड़ में वन भूमि पर कोई अतिक्रमण न हो।

किश्तवाड़ में आतंकवादियों की तलाश तीसरे दिन भी जारी, घेराबंदी मजबूत

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान शुक्रवार को तीसरे दिन में प्रवेश कर गया। अधिकारियों ने बताया कि घेराबंदी को मजबूत करने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त तैनाती की गई है। यह अभियान बुधवार को कुचल–चतरू बेल्ट के घने जंगलों वाले कंजल मांडू इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद शुरू किया गया है। मुठभेड़ तब शुरू हुई जब पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ की सहायता से इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर शाम करीब 7 : 45 बजे कुछल में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि छिपे हुए आतंकवादियों की तलाश के लिए चतरू वन क्षेत्र में तलाशी अभियान बढ़ा दिया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि छिपे हुए आतंकवादियों की संख्या दो से तीन है। उन्होंने बताया कि अभियान में हेलीकॉप्टर, ड्रोन और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है तथा अतिरिक्त जवानों की तैनाती के साथ घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया है।

एसएमसी ने शहरव्यापी जनसंपर्क के साथ पीएमएवाई-शहरी 2.0 की 10वीं वर्षगांठ मनाई

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) शहर भर में सार्वजनिक पहुंच और जागरूकता गतिविधियों की एक समर्पित श्रृंखला के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना – शहरी (पीएमएवाई–यू 2.0) की 10वीं वर्षगांठ मना रहा है।

समारोह के एक भाग के रूप में, नागरिकों की सहभागिता और अंतिम छोर तक सेवा पहुंचाने के लिए राजस्व विभाग के सहयोग से वार्ड स्तर पर जन जागरूकता और सत्यापन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

25 जून, 2015 को शुरू किए गए पीएमएवाई–शहरी मिशन का उद्देश्य सभी पात्र शहरी गरीब परिवारों के लिए बुनियादी सुविधाओं के साथ पक्के घरों तक पहुँच सुनिश्चित करके शहरी क्षेत्रों में ३सभी के लिए आवास३ प्रदान करना था।

अब अपने 10वें वर्ष में, पीएमएवाई–यू 2.0 चरण में की गई प्रगति को समेकित करने और लाभार्थियों की पूर्ण संतृप्ति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

वर्षगांठ मनाने के लिए विभिन्न वार्डों में शिविर लगाए गए हैं, जिनमें वार्ड नंबर 31 और 35 में मैरिज हॉल चनापोरा, वार्ड नंबर 32 बागात, वार्ड नंबर 28 बटमालू और वार्ड नंबर 29 मगरमल बाग शामिल हैं।

इन शिविरों में मौके पर ही शीर्षक सत्यापन, आय प्रमाण पत्र जारी करना, आवेदन सहायता और आवास योजना के तहत लाभार्थियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता प्रदान की जा रही है।

इस अवसर पर बोलते हुए, एसएमसी के अधिकारियों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य सूचित भागीदारी के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाना और पीएमएवाई–यू योजना के कार्यान्वयन में तेजी लाना है। सभी शिविर स्थलों पर बैनर लगाए गए और अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न संचार चौनलों के माध्यम से जनता तक जानकारी प्रसारित की गई।

आयुक्त, एसएमसी ने वार्ड अधिकारियों और फील्ड टीमों की सक्रिय भूमिका की सराहना की और समावेशी और न्यायसंगत शहरी आवास के लिए निगम की प्रतिबद्धता को दोहराया। नागरिकों को चल रहे शिविरों में भाग लेने और योजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

पीएमएवाई–यू की 10वीं वर्षगांठ न केवल मिशन की यात्रा का उत्सव है, बल्कि प्रत्येक शहरी नागरिक को सम्मानजनक और सुरक्षित आवास तक पहुंच प्रदान करने के दृष्टिकोण की पुनः पुष्टि भी है।

बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी के बीच आईजीपी ने साइबर अपराधियों को चेताया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वीके बिरदी ने आज साइबर अपराधियों और आधिकारिक निर्देशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को कड़ी चेतावनी जारी की।

उन्होंने कहा कि पुलिस सभी उल्लंघनों पर बारीकी से नजर रख रही है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रीनगर में मुहर्रम जुलूस के दौरान मीडिया से बात करते हुए आईजीपी ने कहा, ष्हमारा प्राथमिक ध्यान कानून और व्यवस्था बनाए रखने पर है। जो कोई भी अधिकारियों द्वारा निर्धारित निर्देशों या शर्तों का उल्लंघन करता है, उसकी तुरंत पहचान की जाती है और उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाती है।ष्

साइबर अपराध से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में ऑनलाइन धोखाधड़ी और संबंधित अपराधों में लगातार वृद्धि देखी गई है।

जम्मू–कश्मीर पुलिस ने ऐसे मामलों को विशेष रूप से संभालने के लिए एक समर्पित साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किया है। उन्होंने कहा, ष्शिकायतें प्राप्त होने पर साइबर विंग प्रत्येक मामले की प्रकृति और गंभीरता के आधार पर प्रतिक्रिया करता है।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

जिन्दगी एक खूबसूरत मौका है

बलविन्दर बालम

> जिंदगी कुदरत का दिया हुआ केवल एक बार मिलने वाला खूबसूरत मौका है, जिसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। यह मौका दुख-सुख, बचपन-जवानी-बुढ़ापे और अवसरों की शाखाओं से भरा होता है। समय बहुत बलवान हैकृजो बीत गया वह लौट कर नहीं आता। इस एक मौके को सफल बनाने के लिए मेहनत, लगन, संघर्ष, साहस, सकारात्मक सोच और विवेक जरूरी हैं। कई लोग अवसर को पहचान कर सफलता पाते हैं, तो कुछ भय, आलस्य या हिम्मत की कमी से चूक जाते हैं और जीवनभर पछताते हैं। प्रेरणा और उत्साह सफलता के मूल स्तंभ हैं। अवसर सभी को मिलते हैं, पर सफलता उन्हें मिलती है जो समय और मौके का सही इस्तेमाल करते हैं। जीवन छोटा है, और उम्र के साथ घटता जाता है। इस तन को ईश्वर मानकर उसे सहेजना चाहिए, क्योंकि इसी से सारे मौके मिलते हैं। जिंदगी की असली कीमत तब समझ आती है जब हम इसे पूरी जागरूकता और कर्म के साथ जीते हैं।

कुदरत ने चौरासी लाख जून की जिंदगी को एक खूबसूरत मौका केवल तो केवल एक वार ही देना है। दोबारा नहीं, बिल्कुल दोबारा नहीं। इस को हर हाल व्यर्थ में जाया नहीं करना चाहिए। इस खूबसूरत मौके के बेहतरीन कीमती तोहफों की अनेकानेक ही दूख सुख की शाखाएं फलती फूलती रहती हैं तथा समय के साथ ही समाप्त होती रहती हैं। दुख सुख का सुमेल ही इस को चलाने के लिए निश्चित है क्योंकि इस शरीर अंदर अनेक अवस्थायें आती हैं। जैसे बचपन, जवानी, प्रौढ़ता, बुढ़ापा यह शारीरक क्रियाएं निश्चित हैं। अगर आप को जो मौके मिलते हैं जिन्हों में खूबसूरती के अर्थ होते हैं उनको अपनाने के लिए जरूरत, मेहनत, लग्न, संघर्ष, समतोल सोच तथा उस परविरदिगार का आर्शीवाद होना भी अनिवार्य है। कुछ लोग इन मौकों को पाने के लिए निर्भीक, तथा संवेदनशील होकर पहल कर लेते हैं तथा कुछ लोग शर्मिंदगी या भय या अप्राप्तियों की वजह से मौका छोड़ देते हैं। जिस पर उनको सारी उम्र पछतावा रहता है क्योंकि मौकों में से प्राप्तियां पाना उम्र के तकाजे पर निर्भर करता है। ढलती उम्र आप का साथ नहीं दे सकती यह कुदरत का नियम (नीयम) है क्योंकि समय बहुत बलवान है यह किसी के हाथ नहीं आता जो बीत गया वह वापस नहीं आ सकता, यह कुदरत की सच्चाई है। जिस पर कोई विज्ञान भी रोक नहीं लगा सकता। कुदरत के पास जो कुछ भी है मनुष्य उसे बदल नहीं सकता। उस को खूबसूरत बनाने के लिए बढ़ौतरी अवश्य कर सकता है। इस मौके में स्वर्ग भी है और नरक भी। पतझड़ भी और बसंत भी है। उन्नति को गिरावट भी। शक्ति भक्ति औश्र दुर्लवता भी है। उदासीनता तथा अशक्ति भी। सूर्य, चांद, सितारे, धरती इस मौके के संपूर्ण गवाह हैं। सूर्य चांद सितारे तथा धरती मौका नहीं दृश्य रूप में चिरंजीव हैं जो कभी मरते नहीं नष्ट नहीं होते परन्तु जिन्दगी एक मौका पा कर अदृश्य हो जाती है। प्रत्येक किस्म का साहित्य तथा प्रत्येक किस्म का विज्ञान (उपलब्धियां) इस मौके को, समय को कैद कर लेता है। साहित्य ही समय को, मौके को कैद कर लेता है। साहित्य ही समय को, मौके को कैद कर सकता है। शब्दों की मुट्ठि में बंद कर सता है तथा कर लेता है। विज्ञानक अविष्कार तथा खोज समय को मुट्ठी में बंद कर लते हैं परन्तु मुनष्य को जिन्दगीयां मौका केवल एक बार ही मिलता है। इसके पीछे लग्न, शक्ति, भक्ति, संघर्ष, उधम, कर्मठता, धैर्य, निश्चय, सहृदयता, साकारात्मक सोच, तथा विवेकशीलता की आवश्यकता होती है। कई लोग मौके ढूंढ लेते हैं तथा कई लोग को मौका ढंढना नहीं आता। मौके की इवारत, ईवादत, मिलना कुदरत के ऊपर भी निर्भर करता है।खूबसूरत मंजिल हासिल करनी हो तो नींद नहीं आती, मेहनत मजबूर करती है, मौका मचलता है। मंजिल हासिल करनी हो तो हृदय में एक कंकर पारे की तरह चुभता रहता है। इस खूबसूरत मौके में बहुत कुछ आप के ऊपर निर्भर करता है तथा बहुत कुछ कुदरत के ऊपर भी निर्भर करता है। हालात तथा घटनाओं की परिस्थियां भी मौके पर निर्भर करती हैं। संभल कर उठना तथा फिर उसी रफ्तार के कदमों में चलना, जिंदगी को भ्व्य बनाने के अर्थ मिलते हैं। कई बार मौका आपकी दहलीज पर खुद व खुद ही आ जाता है परंतु आप अपनी नालायकी आलस्य का भय या ना समझ या जुर्रत न होने की बजह से छोड़ देते हैं अलवत्ता इसकी अप्राप्ति सारी उम्र पैर में धंसे नोकदार तीखे कांटे की चीज की भांति चुभती रहती है। जिसमें लहू तो नहीं बहता परन्तु एक दर्द भी टीस चलती रहती है। दुनियां में जितने भी महान प्राप्तियों युक्त व्यक्ति हुए है उन्होने मौके को, समय का पूरा पूरा फायदा लेकर उच्च दर्जे के कीर्तिमान स्थापित किए तथा बहुत सारे लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने मजबूरियां, तंगदस्ती, लाचारियों की बजह से खूबसूरत मौके छोड़ दिए या छोड़ने पड़े। उन्होने मौके के रास्तों को अपनाया ही नहीं बल्कि वे मंजिल से भी अधूरे रह गए यह नहीं कि उनके पास उच्चकोटि का दिमाग या विवेकशीलता नहीं थी यां उच्च विद्या नहीं थी बल्कि उन्होने केवल तो केवल जुर्रत तथा दलेरी का प्रयोग नहीं किया। सपना तथा भय मनुष्य को कमजोर बना देता है। जिस व्यक्ति में साकारात्मक भय है वह आगे बढ़ता जाएगा मगर जिसमें नाकारात्मक भय है वह बंदा कभी भी अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सकता क्योंकि नाकारात्मक भय में सामना करने की जुर्रत नहीं होती। मंजिल दिखती है परन्तु उसके कंटीले राहों से घबरा कर आगे नहीं जाना चाहते मगर जो व्यक्ति इस नाकारात्मक भय से सुचेत हो कर साकारात्मक भय अपना लेते हैं, भ्ज्ञय का सदउपयोग करते हैं वह कंटीले राहों में कांटे एक तरफ करके अपना रास्ता बना लेते हैं क्योंकि कोंट एक तरफ करने के लिए बुद्धि, दिमाग, समय, निर्भकिता चाहिए। हाथ लहू लूहान भी हो सकते हैं परन्तु लोग मंजिल पा लेते हैं। इस में समय अनिवार्य बांधना पड़ता है। जिस से सुख की, प्राप्तियों की फुनगियां फूटती हैं जिनके अंकुर से अनेकानेक बीज पैदा होते हैं।जिन्दगी का मौका केवल एक बार ही मिलता है। आप उम्र के तकाजे में जो बन गए सो बन गए। कई मनुष्य प्राप्तियों की तलाश में रहते हैं तथा प्रौढ़ उम्र में जा कर समय को बांध लेते हैं अपनी समतल सोच से, सीखने और मानने की भावना से आगे बढ़ना शुरू करते हैं सीख सीख के, पढ़–पढ़ कर, उस्तादों की मदद से मंजिल तक पहुंचते हैं। परन्तु प्रौढ़ उम्र में जा कर मंजिल को पाना आसान नहीं होता। कोई विरला मनुष्य ही प्रौढ़ उम्र में उन्नति की मंजिलें छूह सकता है। या यह कह लिया जाए कि समय उन के हक में तथा वह समय के हक में किस्मत का सहारा ले लेते है। इस मौके के अमीरी तथा गरीबी को दो पहलू है जिनके दुख सुख साझा होता है। उम्र के तकाजे साझा होते हैं। कई व्यक्ति गरीबी से उठकर बुलंदी प्रतिष्ठा तथा उच्च् पद को हासिल कर लेते हैं। परन्तु कई अमीर व्यक्ति हालातों तथा घटनाओं की आंधी में बरबाद होकर गरीबी की दल दल में धंस गए। पर सब मौके तथा समय का खेल है। जिन्दगी बहुत छोटी है जैसे सुबह सबेरे खूबसूरत फूल की पत्ती की नोक के ऊपर खडी खबनम आप क्या बनना चाहते है? बन सकते हो।परन्तु आप को अच्छी सच्ची दहृदयता वाली रहस्यी, शिवेनशीलता तथा उधम की जरूरत है। जिस तरह एक बीज बोने के बाद फूटते पौधे की माटी की माटी की, सूर्य की, पानी की, खाद्य इत्यादि की जरूरत होती है। प्रेरणा तथा उत्साह उन्न्ति का मूल स्त्रोत है। अगर यह दोनों ईमानदारी वाले मिल जाएं तो सुनचित सर्वोत्तम कीर्तिमान पैदा किए जा सकते हैं। मां से लेकर भगवान तक प्रेरणा तथा उत्साह बल पूर्वक मिले तो मौके में बुलंदी आ जाती है।दोस्तों खुशी परमात्मा नहीं देता खुशी आपको ढूंढनी पड़ती है। घर से, बाहर से, गगन करती, दरिया, मानव, ईर्द–गिर्द से, रिश्तों का साझ से, कुदरती वातावरण सृजने से, प्यार से संगीत से इत्यादि से। परमात्मा का तो केवल आर्शीवाद सब के लिए होता है। यह खूबसूरत तन ही आप का भगवान है, आप का पुत्र है, आप का मित्र है और कोई नहीं। सुबह सबेरे उठें शीशे (दर्पण) के सामने खड़े होकर इस तन को मन की गहराई से देखें ओर सोचें कि यह मौका केवल एक बार ही मिला है। फिर इस तन को पुत्र की भांति प्यार करें, लाडियां करें, इस से बातें करें, दैनिक कार्यों की शुरूआत इससे करें, इसस पूछें कि तूने क्या करना है? क्या खाना है? क्या पहनना है? इत्यादि यह ही आप का असली रब्ब, (भगवान) है, इससे ही समस्त मौके मिलते हैं। यह ही तरक्कीयां सूत्रकार हैं। इसके बस में कर लिया तो अचदर्ज की सफलता कीर्तिशा आप की पैर चूमेंगी। मूल्यों का विकास परिवार ही होता है यह तो स्पष्ट है कि मूल्य द्वारा सब प्रकार की वस्तुएं, भावनाएं, विचार, गुण, कृिया, पदार्थ, व्यक्ति समूह तथा तथ्यों आदि का मुल्यांकन किया जाता है। जीवन संयोगों का दूसरा नाम है हमारे जन्म तथा मृत्यु के बीच के काल समय ही जीवन कहलाता है जो कि परमात्मा द्वारा दिया गया वरदान है। उम्र को पाना एक पहल है तथा उस को जीना अलग पहलू है। उम्र बढ़ रही होती है परन्तु जिन्दगी घट रही होती है। उम्र तबतक बढ़ती है जब तक जीवन की दोड़ खत्म नहीं होती।जीवन एक प्रक्रिया है पदार्थ नहीं, जीवन का मतलब अस्तित्व की उस अवस्थ से है जिसमें वस्तु या प्राणी के अन्दर चेष्टा, उन्नति, तथा बुद्धि के लक्षण दिखाई दें। जिन्दगी एक खूबसूरत मौका है को संवेदनशीलता की क्रियाओं के अस्तित्व को समझने की तलाश में सांसों की आखिरी डोर तक दम भरता हुआ अर्थी तक साथ देता है। जिन्दगी इतनी लम्बी नहीं कि हजार वर्ष जीना। जिन्दगी बहुत छोटी है। काम करने की उम्र तंदरूस्ती के साथ बिमारी रहित रह कर बंदा 80–85 वर्ष तक काम कर सकता है अलबत्ता भारी भरकम तथा तकलीफ रहित कार्य हो तो फिर जा कर सही नेतृत्व कर सकता है क्योंकि 80 वर्ष के बाद बहुत कम लोगों के पास ऊर्जा, सोच बचती है। दोस्तों जिन्दगी बहुत छोटी है। एक खूबसूरत मौका है। इसको व्यर्थ ना जानें दें।

बलविन्दर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर, गुरदासपुर (पंजाब)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

सांस्कृतिक आत्मनिर्भर तिब्बत

संपादक – राज कुमार

दलाई लामा द्वारा अपने वंश की निरंतरता की औपचारिक पुष्टि करने का निर्णय आध्यात्मिक घोषणा से कहीं अधिक है ॒ यह एक भू–राजनीतिक अवज्ञा का कार्य है, तिब्बती आत्म–समाप्ति का एक शांत लेकिन गहरा दावा है। जैसे–जैसे वह अपने 90वें जन्मदिन के करीब पहुंच रहे हैं, यह घोषणा कमजोरी की जगह से नहीं, बल्कि गहरी रणनीतिक स्पष्टता से आ रही है, जिसे तिब्बत के भविष्य को नियंत्रित करने के लिए बीजिंग द्वारा सबसे स्थायी और घुसपैठिया प्रयासों को मात देने के लिए तैयार किया गया है। तिब्बती बौद्ध धर्म ने हमेशा आध्यात्मिक को राजनीति के साथ जोड़ा है। दलाई लामा न केवल एक धार्मिक व्यक्ति हैं, बल्कि तिब्बती पहचान के एक जीवित प्रतीक हैं ॒ एक ऐसी पहचान जिसने तिब्बत के क्रूर चीनी कब्जे के बाद से छह दशकों से अधिक समय तक मिटने का विरोध किया है। उनकी पुष्टि कि संस्था जारी रहेगी, उनकी भौतिक उपस्थिति के मिट जाने के बाद भी पहचान को सह–चुने जाने या भंग होने की अनुमति देने से इनकार करने का संकेत देती है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले वर्षों में, आध्यात्मिक नेता ने इस बात पर दुविधा व्यक्त की थी कि क्या दलाई लामाओं की वंशावली जारी रहनी चाहिए। बीजिंग की अनुमानित प्रतिक्रिया अगले दलाई लामा के नाम के लिए अपने अधिकार का दावा करना होगा। लेकिन वैधता राजनीतिक आदेशों के माध्यम से निर्मित नहीं की जा सकती। तिब्बती पुनर्जन्म एक गहन आध्यात्मिक प्रक्रिया है, जो सदियों पुरानी मठवासी परंपरा पर आधारित है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा इस प्रक्रिया को दोहराने या लागू करने के प्रयासों को तिब्बती समुदाय के भीतर और बाहर दोनों जगह नकल और नियंत्रण के एक निंदनीय कार्य के रूप में देखा जाएगा। निगरानी और राज्य कथाओं द्वारा तेजी से आकार लेने वाली दुनिया में, दलाई लामा की आध्यात्मिक उत्तराधिकार प्रक्रिया सामुदायिक एजेंसी का एक दुर्लभ कार्य है। यह इस बात पर जोर देता है कि सत्य, परंपरा और पारलौकिकता को राजनीतिक शक्ति द्वारा निर्धारित नहीं किया जा सकता है। यह एक शांत क्रांति है ॒ जो बल पर नहीं, बल्कि विश्वास में निहित है ॒ जो तिब्बत के भविष्य को आकार दे सकती है। निर्वासित तिब्बतियों और चीनी शासन के अधीन रहने वालों के लिए, दलाई लामा की यह स्पष्टता एक आश्वासन और जिम्मेदारी दोनों है। अब चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि उत्तराधिकार प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से, तिब्बती परंपरा के अनुसार, और इस तरह से की जाए कि वैश्विक बौद्ध समुदाय और निर्वासन में पैदा हुए तिब्बतियों की नई पीढ़ी दोनों का विश्वास अर्जित हो। यह घोषणा एक गहरे संदेश को भी रेखांकित करती हैरू जबकि चीन भूमि और बुनियादी ढांचे पर हावी हो सकता है, वह तिब्बती लोगों के दिलों और दिमागों पर कब्जा करने के लिए संघर्ष करना जारी रखता है। सांस्कृतिक और आध्यात्मिक लचीलापन सैन्य विजय की तुलना में अधिक टिकाऊ साबित हो रहा है। इस प्रकार दलाई लामा का संद. ॒श तिब्बती संघर्ष को फिर से कल्पित करने का निमंत्रण है ॒ न केवल एक क्षेत्रीय विवाद के रूप में, बल्कि सांस्कृतिक अस्तित्व और नैतिक वैधता की लड़ाई के रूप में। चाहे अगला दलाई लामा निर्वासन में हो या कहीं और, सबसे ज्यादा मायने रखता है तिब्बतियों की अपनी शर्तों पर अपना भविष्य निर्धारित करने की निरंतर क्षमता।

क्या भारत ग्लोबल साउथ में अपनी खोई विरासत फिर हासिल कर पाएगा?

ओंकारेश्वर पांडेय

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद तमाम सवालों से घिरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब घाना की धरती पर उतरे, तो उनके कदमों में 75 साल की उम्र की थकान और हार न मानने की जिद एकसाथ झलक रही थी। अक्रा के हवाई अड्डे पर, हल्के नीले नेहरू जैकेट में सजे मोदी का चेहरा तनाव और सुकून के मिश्रित भाव लिए था। शायद यह नेहरू जैकेट सिर्फ एक परिधान नहीं, बल्कि उस नेहरू की याद का प्रतीक था, जिन्होंने कभी घाना की जनता को आजादी और ग्लोबल साउथ की एकजुटता का सपना दिखाया था। घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामाहा ने उनका स्वागत किया, लेकिन हवा में सवाल गूँज रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर की आधी–अधूरी कहानी, अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्तता को कटघरे में खड़ा किया है, और हालिया भारत–पाक तनाव में चीन की सैन्य मदद ने ग्लोबल साउथ में भारत की साख को दांव पर ला दिया है।

क्या यह घाना, जो कभी गांधी और नेहरू की अहिंसा व साझेदारी से प्रेरित था, मोदी के नेतृत्व में भारत के ग्लोबल साउथ के सपने को नया जीवन दे पाएगा? क्या यह यात्रा, गंभीर सवालों से जूझ रही विदेश नीति को पुनर्परिभाषित करने की बजाय, एक और कूटनीतिक शो बनकर रह जाएगी?

ऑपरेशन सिंदूर और कूटनीतिक भंवर

पिछले महीने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने सीमित सैन्य कार्रवाई की। सेना निर्णायक कदम के लिए तैयार थी, मगर आखिरी पल में राजनीतिक नेतृत्व ने कदम पीछे खींच लिए। इंडोनेशिया में तैनात नौसेना अधिकारी कैप्टन शिव कुमार ने खुलासा किया, "हम तैयार थे, लेकिन रणनीति में स्पष्टता की कमी ने हमें रोका।" इस खुलासे ने देश में हलचल मचा दी। अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्त कूटनीति पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तंज कसा, "मोदी सरकार की विदेश नीति अब फोटो सेशन और खोखली घोषणाओं तक सिमट गई है। नीतिगत दृढ़ता गायब है।"

पर्दे के पीछे, चीन की भूमिका ने आग में घी डाला। हालिया भारत–पाक तनाव में चीन ने पाकिस्तान को फाइटर जेट, मिसा. इल, और सैटेलाइट डेटा देकर समर्थन दिया, जिसे विशेषज्ञ भारत के खिलाफ रणनीतिक चाल मानते हैं।

घाना यात्रारू अवसर या मजबूरी?

इस तूफानी माहौल में मोदी अक्रा पहुंचे। घाना की संसद में उनका स्वागत पारंपरिक ढोल की थाप और स्थानीय गीतों ने किया। मोदी ने ट्वीट किया, "अक्रा पहुंचना सम्मान की बात है। राष्ट्रपति महामाहा का स्वागत हमारे पुराने, भरोसेमंद रिश्तों का प्रतीक है। हम भारत–घाना संबंधों को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे।"

लेकिन सवाल वही हैकृक्या यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर की चूक, अमेरिका पर निर्भरता, और चीन की बढ़ती चुनौती को पार कर भारत की साख सुधारेगी? या यह सिर्फ एक और कूटनीतिक चमक–दमक बनकर रह जाएगी?

भारत–घानारू ऐतिहासिक बंधन और रोचक किस्से

अक्रा के बाजारों में भारतीय मसालों की खुशबू और बॉलीवुड गानों की गूँज घाना को भारत से जोड़े रखती है। यह रिश्ता कागजी कूटनीति से कहीं गहरा हैकृयह साझा संघर्ष और सपनों की कहानी है। 1950 के दशक में घाना के पहले राष्ट्रपति क्वामे एनक्रूमा भारत आए। गांधी की अहिंसा और नेहरू की 'ग्लोबल साउथ' की सोच ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने घाना की आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी। 1957 में घाना के आजाद होने पर भारत ने वहाँ अपना पहला दूतावास खोला।

एक पुराना किस्सा हैकृ1960 में नेहरू की घाना यात्रा के दौरान एनक्रूमा ने उन्हें एक शानदार 'केन्टे' कपड़ा भेंट किया, जो आज अक्रा के नेशनल म्यूजियम में प्रदर्शित है। उस स्वागत में स्थानीय जनजातियों ने ढोल–नगाड़ों के साथ नृत्य किया, और नेहरू की सादगी ने सबका दिल जीत लिया।

2011 में मनमोहन सिंह की यात्रा भी कम यादगार नहीं थी। नीली पगड़ी और सादे सूट में वह घाना की संसद में बोले, "भारत अफ्रीका का प्राकृतिक सहयोगी है। हमारा रिश्ता संसाधनों या निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि साझा विकास और मानवीय सहयोग पर आधारित है।" उनकी बातों में गहराई थी, और स्वागत में घानाई गायकों ने पारंपरिक गीत गाए।

आर्थिक समीकरणरू प्रगति और चुनौतियाँ

भारत–घाना व्यापार नेहरू काल से लंबा सफर तय किया है। 2004 में यह महज 213 मिलियन डॉलर था, जो मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 2013–14 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचा। मोदी सरकार में यह 2017–18 में 3.34 अरब और 2018–19 में 4.48 अरब डॉलर तक गया, लेकिन 2023–24 में 2.51 अरब तक सिमट गया। 2024–25 (अप्रैल–अक्टूबर) में शुरुआती व्यापार 3.13 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार घाटा बढ़ा है, क्योंकि घाना से सोना और तेल (घाना के निर्यात का 70:) तेजी से आयात हो रहा है।

भारत ने घाना को 450 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट (स्वब्) दी, जिससे गांवों में बिजली, आईटी पार्क, और स्वास्थ्य सुविधाएँ बनीं। लेकिन चुनौती सामने खड़ी हैकृचीन। घाना इन्वेस्टमेंट प्रमोशन सेंटर (ळप्च्ब्) के मुताबिक, भारत प्रोजेक्ट संख्या में दूसरे स्थान पर है, लेकिन निवेश राशि में चीन, स्पेन, और मिस्र से पीछे है। 1994–2024 में भारत का निवेश 1.92 अरब डॉलर रहा, जबकि चीन का इससे कहीं अधिक। 2023 में भारत का निवेश 77.93 मिलियन डॉलर था, लेकिन चीन की आर्थिक पकड़ मजबूत है।

ग्लोबल साउथ में चीन को चुनौती?

हालिया भारत–पाक तनाव में चीन ने पाकिस्तान को फाइटर जेट, मिसाइल, और सैटेलाइट डेटा देकर समर्थन दिया, जिसे विशेषज्ञ भारत के खिलाफ रणनीतिक चाल मानते हैं। घाना की सड़कों पर पारंपरिक नृत्यों की रौनक के बीच मोदी की यह यात्रा सिर्फ भारत–घाना दोस्ती की कहानी नहीं है। यह ग्लोबल साउथ में भारत की साख को पुनर्जनन करने और चीन की आक्रामकता को टक्कर देने की कोशिश है। चीन ने अफ्रीका में 200 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जबकि भारत 80 बिलियन के आसपास है। घाना में चीन की पकड़ इंफ्रास्ट्रक्चर और खनन में मजबूत है। लेकिन भारत की ताकत उसकी सॉफ्ट पावर में हैकृऐतिहासिक दोस्ती, सांस्कृतिक जुड़ाव, और लोकतांत्रिक मूल्य।

मोदी की यह यात्रा आर्थिक प्रतिद्वंद्विता का नया अध्याय भी शुरू कर सकती है। घाना के तेल–गैस भंडार, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व के लिए भारत के पास मौका है। यह भारत के लिए न सिर्फ घाना, बल्कि पूरे अफ्रीका में अपनी स्थिति मजबूत करने का अवसर है, बशर्ते यह चीन की रणनीति को संतुलित करने के लिए स्पष्ट कदम उठाए।

सांस्कृतिक ताकत और जनमानस

अक्रा के बाजारों में भारतीय मसालों की खुशबू और अमिताभ बच्चन व शाहरुख खान की फिल्मों की गूँज घाना को भारत से जोड़े रखती है। 15,000 भारतीय समुदाय, योग, और क्रिकेट यहाँ भारत की सॉफ्ट पावर हैं। एक पुराना किस्सा हैकृ1980 के दशक में 'डिस्को डांसर' ने घाना के सिनेमाघरों को फिर से जिंदा कर दिया। आज भी वहाँ के बुजुर्ग "आओ, ओम शांति ओम" गुनग. ुनाते हैं। लेकिन चीन और यूरोपीय देशों की आक्रामक मौजूदगी ने भारत के लिए मुकाबला कठिन कर दिया। घाना की सड़कों पर बच्चों के नृत्य और पारंपरिक गीत भारत–घाना की दोस्ती की गर्मी दिखाते हैं, मगर क्या यह नीतिगत ठोस कदमों में बदलेगा?

मोदी का इम्तिहान

घाना की संसद से लेकर अक्रा की सड़कों तक, मोदी की यह यात्रा कोई साधारण कूटनीति नहीं। यह भारत की विदेश नीति की अग्निपरीक्षा है। भारत कई मोर्चों पर जूझ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर का अधूरा नतीजा जनता के मन में सवाल छोड़ गया है।

कैप्टन शिव कुमार जैसे सैन्य अधिकारियों ने सरकार की रणनी. तिक अस्पष्टता पर उंगली उठाई है। अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्तता को कटघरे में खड़ा किया। और अब, चीन की पाकिस्तान को सैन्य मदद ने भारत को ग्लोबल साउथ में अपनी साख बचाने की चुनौती दी है।

मोदी के सामने सवाल हैकृकि क्या वह इस यात्रा को भाषणों और ट्वीट्स से आगे ले जा पाएंगे? यह मौका हैकृनेहरू और एनक्रूमा की ऐतिहासिक दोस्ती को नया जीवन देने का, ग्लोबल साउथ में भारत की पुरानी साख को पुनर्जीवित करने का, और चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने का। अगर यह यात्रा भाषणबाजी तक सिमट गई, तो विपक्ष का तंजकृ"विदेश नीति उड़ानों और उद्घाटनों तक सीमित है"कृऔर गहरा हो जाएगा।

घाना क्यों ज़रूरी है?

घाना भारत के लिए एक रणनीतिक खजाना है। इसके बाजारों में कोको और सोने की चमक भारत की आर्थिक भूख को ललच. ाती है।

यह देश तेल, बॉक्साइट, और कोको का पावरहाउस है। भारत ने यहाँ आईसीटी, हेल्थकेयर, कृषि, और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश किया है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जनता की एक ही मांग - बजुह नदी को बचाओ, भविष्य को बचाओ

बजुह नदी के किनारे फैली गंदगी को दिखाते स्थानीय लोग | अभियान के समर्थन में प्रतिक्रिया देते नागरिक

राज कुमार

नगरी/कठुआ, 28 जूनरू नगरी कस्बे के प्रदीप सिंह व कठुआ के समाज सेवक अनिल भारद्वाज व आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने ऐतिहासिक बजुह नदी के अस्तित्व पर गहरी चिंता जताई है। लोगों का कहना है कि यह नदी वर्षों से जल का प्रमुख स्रोत रही है और नगरी की पहचान भी। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को यह बताने के लिए कुछ नहीं बचेगा कि कभी नगरी में एक निर्मल और पवित्र नदी बहा करती थी।

नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

स्थानीय व आसपास के क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि जिस म्यूनि. सिपल कमेटी को नगरी को स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वही खुद बजुह नदी को गंदा करने में बड़ी भूमिका निभा रही है। गंदगी के ढेर और कचरे को नदी के किनारे फेंकना आम बात बन गई है। लोगा. ने सवाल उठाया कि जब नगर परिषद स्वच्छता के नाम पर सुबह–शाम लोगों को सफाई का पाठ पढ़ाती है, मासिक शुल्क वसूलती है, तो फिर वह स्वयं स्वच्छता की धज्जियां क्यों उड़ा रही है?

पैसा भी लिया, गंदगी भी फैलाई

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि नगरपालिका लोगों से नियमित रूप से सफाई के नाम पर मासिक राशि वसूलती है, लेकिन उसके बाद भी कस्बे की एकमात्र नदी को गंदा करने में कोई कोताही नहीं बरती जाती। लोगों ने कहा कि यह प्रशासन की दोहरी नीति और लापरवाह रवैये का जीता–जागता उदाहरण है।

अभियान को मिल रहा जन समर्थन

बजुह नदी बचाओ अभियान को लगातार लोगों का समर्थन मिल रहा है। स्थानीय निवासी स्वयं फोन के माध्यम से अपनी प्रतिक्रियाएं 'सबका जम्मू–कश्मीर' समाचार पत्र के साथ साझा कर रहे हैं और इस अभियान को और तेज़ करने की मांग कर रहे हैं। युवाओं से लेकर वरिष्ठ नागरिक. ों तक हर वर्ग इस अभियान से जुड़ रहा है और अपने स्तर पर जागरूकता फैलाने में जुटा है।

जनता का संकल्प स्पष्ट

जनता ने साफ कर दिया है दृ जब तक बजुह नदी को गंदगी से मुक्त

ऐतिहासिक बजहु नदी बचाओ अभियान को लेकर जनता में बढ़ रहा आक्रोश, स्वच्छता को लेकर उठी कड़ी मांग

कस्बा नगरी की ऐतिहासिक बजहु नदी में स्थानीय म्युनिसिपल कमेटी द्वारा फलाई गई गंदगी

बजहु नदी का गन्दा पानी जिसे स्थानीय लोग वर्षों इस्तेमाल करते रहें

स्थानीय युवा कस्बा नगरी की ऐतिहासिक बजहु नदी में फैली गंदगी को लेकर अपना रोष प्रकट करते

राज कुमार

नगरी/कठुआरू नगरी कस्बे की ऐतिहासिक पहचान रही बजहु नदी को लेकर चलाए जा रहे ष्बजहु नदी बचाओ अभियानष् को जहां एक ओर आम जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक उदासीनता को लेकर लोगों में आक्रोश भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से सबका जम्मू कश्मीर समाचार पत्र में लगातार इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद स्थानीय लोग एकजुट होकर इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने में जुट गए हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बजहु नदी नगरी की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान रही है, जिसके पानी को कभी लोग पीते थे और उसमें स्नान करते थे। लेकिन आज यह नदी प्रशासनिक उपेक्षा और नगर परिषद की अनदेखी के चलते गंदगी और प्रदूषण का अड्डा बन चुकी है। नगर परिषद नगरी द्वारा वर्षों से शहर की गंदगी को बजहु नदी के किनारे फेंका जा रहा है, जिससे यहां कूड़े के बड़े–बड़े ढेर जमा हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरा. प है कि नगर परिषद द्वारा न तो कूड़े के उचित निपटान की व्यवस्था की गई है और न ही नदी की सफाई के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए हैं। इतना ही नहीं, आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से भी रासायनिक युक्त गंदा पानी इस नदी में बहाया जा रहा है, जिससे नदी का जल पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है।

इस संदर्भ में राजन शर्मा , सरदार कुल. विंद्र सिंह सहित अन्य समाजसेवियों व युवाओं ने प्रशासन से मांग की है कि बजहु नदी की सफाई और संरक्षण को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि शहर और गांवों का कूड़ा निर्धारित बेसमेंट में फेंका जाए ताकि नदी के किनारों को गंदगी से मुक्त किया जा सके। स्थानीय युवाओं ने इस अभियान को आगे बढ़ाने की कसम खाई है और जनजागरूकता अभियान चलाने की भी योजना बनाई है। उनका कहना है कि जब तक प्रशासन ठोस कदम नहीं उठाएगा, तब तक यह आंदोलन जा रहेगा। लोगों को उम्मीद है कि नग परिषद व जिला प्रशासन शीघ्र ही ठो कार्रवाई करेगा और इस ऐतिहासिक न के अस्तित्व को बचाने की दिशा में गंभ प्रयास करेगा।

बजहु नदी बचाओ अभियान को मिल रहा समर्थन, युवाओं ने जिला प्रशासन से की हस्तक्षेप की मांग

नगरी म्युनिसिपल कमेटी ही बनी बजुह नदी के प्रदूषण की जिम्मेदार, पर्यावरण दिवस पर उजागर हुआ दोहरा चेहरा

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी/कठुआरू कस्बा नगरी के बीचों–बीच बहने वाली ऐतिहासिक बजहु नदी को लेकर स्थानीय लोगों और युवाओं में जागरूकता का नया संकल्प देखने को मिल रहा है। हाल ही में सबका जम्मू कश्मीर हिंदी साप्ताहिक समाचा. र पत्र ने बजहु नदी की दयनीय स्थिति को लेकर प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था, जिसके बाद से ही स्थानीय युवाओं में इस नदी को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने की मुहिम ने रफ्तार पकड़ ली है।

वार्ड नंबर 2 के युवा आशु मेहरा, सोनू कुमार और अन्य स्थानीय युवाओं ने इस खबर की सराहना करते हुए समाचार पत्र से संपर्क किया और इस मुहिम से जुड़कर इसे और मजबूती देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि कभी कस्बा नगरी की पहचान रही बजहु नदी, जो स्वच्छ जल का एक मुख्य स्रोत थी, अब म्युनिसिपल कमेटी द्वारा डाली जा रही गंदगी के कारण प्रदूषित हो चुकी है।

स्थानीय युवाओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जिस प्रकार शहर कठुआ को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है, उसी तर्ज पर बजहु नदी के किनारों को भी साफ–सुथरा कर इसे पुनः जीवंत रूप दिया जाए। साथ ही उन्होंने नगरी म्युनिसिपल कमेटी से यह अपील की है कि नगर की गंदगी को किसी वैकल्पिक स्थान पर डंप किया जाए, ताकि बजहु नदी की पारंपरिक गरिमा को बरकरार रखा जा सके।

इस मुहिम को लेकर युवाओं ने जिला आयुक्त से व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने और बजहु नदी को नया जीवन देने की मांग की है। युवाओं का मानना है कि यदि प्रशासन और आम जनता मिलकर प्रयास करें, तो यह ऐतिहा. सिक धरोहर फिर से नगरवासियों के उपयोग में लाई जा सकती है।

ज्ञात हो कि सबका जम्मू–कश्मीर समाचार पत्र लगातार कई दिनों से बजहु नदी की स्थिति को उजागर कर रहा है, जिससे अब नगरवा. सियों में जागरूकता आई है और वे इस ऐतिहा. सिक नदी को बचाने के लिए आगे आ रहे हैं।

युवाओं का कहना है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रशासन स्वच्छ भारत अभियान की तर्ज पर इस नदी को स्वच्छ बनाने में सकारात्मक कदम उठाएगा।

नगरवासी भी इस मुहिम का समर्थन कर रहे हैं और घर–घर से कूड़ेदान गाड़ी में कूड़ा डालने की आदत को अपनाकर नगर को साफ–सुथरा बनाए रखने में योगदान दे रहे हैं।

बजहु नदी बचाओ अभियान अब एक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है और स्थानीय युवाओं ने अन्य लोगों से भी इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है, ताकि नगरी की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित किया जा सके।

करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते, आंदोलन जारी रहेगा। लोगों की एक ही मांग हैरू

बजुह नदी को बचाओ, भविष्य को बचाओ!

ऐतिहासिक बजुह नदी बचाओ अभियान को लेकर जनता में बढ़ रहा आक्रोश, प्रशासन की दोहरी नीति पर उठे सवाल

कस्बा के स्थानीय लोग बजुह नदी में फैली गंदगी को लेकर अपना रोष जताते

राज कुमार

नगरी/कठुआ। नगरी कस्बे की ऐतिहासिक पहचान रही बजुह नदी को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ष्बजुह नदी बचाओ अभियानष् को जहां आम लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन और नगर परिषद की उदासीनता से जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

एक ओर देशभर में जल स्रोतों के संरक्षण की बातें हो रही हैं और प्रशासन ष्जल बचाओष् जैसे अभियानों को बढ़ावा देने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर नगर परिषद नगरी जैसे विभाग अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़ते नजर आ रहे हैं। नगर परिषद द्वारा वर्षों से कस्बे की गंदगी बजुह नदी के किनारे फेंकी जा रही है, जिससे यह नदी कचरे और प्रदूषण का बड़ा अड्डा बन चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी यह नदी गंगा समान पवित्र मानी जाती थी, जिसका जल पीने योग्य था और जिसमें स्नान कर लोग पुण्य का अनुभव करते थे।

नगरी मुसिपल कमेटी के पूर्व प्रधान सुरजीत भगत प्रधान, समाज सेवक राकेश सैनी(नेता), छोटू शर्मा

प्रधान और अन्य स्थानीय लोगों ने इस बात पर रोष जताया कि स्वच्छ भारत मिशन की भावना के विपरीत, नगर परिषद स्वयं इस ऐतिहासिक धरोहर को नष्ट करने में योगदान दे रही है। औद्योगिक इकाइयों द्वारा बहाया जा रहा रासायनिक जल स्थिति को और भी भयावह बना रहा है।

स्थानीय युवाओं और जागरूक नागरिकों ने इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया है।

उनका कहना है कि यदि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करना है, तो सबसे पहले नगर स्तर पर जिम्मेदार विभागों को ईमानदारी से कार्य करना होगा। दुर्भाग्य की बात यह है कि जिस म्युनिसिपल कमेटी को इस ऐतिहासिक नदी को संरक्षित करना चाहिए था, वही इसके अस्तित्व को खतरे में डाल रही है।

जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक प्रशासनिक स्तर पर ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। युवाओं ने आगे आकर नदी की सफाई और जनजागरूकता अभियान तेज करने का संकल्प लिया है।

स्थानीय लोगों की एक ही मांग है दृ ष्बजुह नदी को बचाओ, भविष्य को बचाओष्।

यदि अब भी समय रहते ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को हम यह नहीं बता पाएंगे कि नगरी में भी कभी एक ऐतिहा. सिक जल स्रोत बहता था, जो यहां की पहचान हुआ करता था।

बजहु नदी बचाओ अभियान को मिल रहा समर्थन, युवाओं ने जिला प्रशासन से की हस्तक्षेप की मांग

नगरी म्युनिसिपल कमेटी ही बनी बजुह नदी के प्रदूषण की जिम्मेदार, पर्यावरण दिवस पर उजागर हुआ दोहरा चेहरा

नगरी म्युनिसिपल कमेटी ही बनी बजुह नदी के प्रदूषण की जिम्मेदार, पर्यावरण दिवस पर उजागर हुआ दोहरा चेहरा

दूसरों को नसीहत, खुद के फजीहत - नगरवासियों में रोष

राज कुमार

ऐतिहासिक नदी बजुह में कूड़े के ढेर लगाकर जलस्रोत को प्रदूषित करने व पर्यावरण को ख़राब करने में मुख्य भूमिका निभा रहा हैं नगरी म्युनिसिपल कमेटी

नगरी (जिला कठुआ)। गुरुवार को पूरे विश्व में पर्यावरण दिवस मनाया गया, वहीं जम्मू–कश्मीर के नगरी क्षेत्र में इस दिवस ने म्युनि. सिपल कमेटी की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नगरी म्युनिसिपल कमेटी ने एक ओर पर्यावरण दिवस के मौके पर स्थानीय लोगों को स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक किया, तो वहीं दूसरी ओर स्वयं ही बजुह नदी जैसे ऐतिहासिक जलस्रोत को प्रदूषित करने में मुख्य भूमिका निभा रही है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि म्युनिसिपल कमेटी नगरी से प्रतिदिन सैकड़ों टन कचरा एकत्र कर अपने माल वाहनों के माध्यम से सीधे बजुह नदी में फेंकती है। यह वही नदी है, जो वर्षों से कस्बे की जल जीवन रेखा रही है और जिसे साफ–सुथरा रखने की जिम्मेदारी भी कमेटी की ही है। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया कि जब विभाग खुद पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है, तो वह लोगों को किस नैतिक आधार पर स्वच्छता का संदेश दे रहा है? कस्बे में बजुह नदी के किनारे फैली गंदगी और कचरे के ढेर म्युनिसिपल कमेटी की लापरवाही और दोहरे रवैये को उजागर करते हैं। एक स्थानीय निवासी ने कहा, "दूसरों को नसीहत और खुद के फजीहत, यह कहावत आज म्युनि. सिपल कमेटी पर पूरी तरह फिट बैठती है। विभाग एक तरफ जागरूकता कार्यक्रम करता है, दूसरी ओर खुद ही कचरे को नदी में डालकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है।"

पर्यावरणविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से अपील की है कि इस गंभीर लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच हो और बजुह नदी को प्रदूषित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, नगर की स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा के लिए एक स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इनामी बदमाश समेत तीन अपराधी मुठभेड़ में हुए घायल, तीनों हुए गिरफ्तार

अवनीश सिंह

गाज़ीपुर /उत्तरप्रदेश : गाजीपुर में सनसनीखेज मुठभेड़रू तमंचों से पुलिस पर बरसाईं गोलियां, लेकिन कानून के शिकंजे से नहीं बच सके अपराधी कृ तीना. दबोचे गए, असलहा बरामद

गाजीपुर। तीन शातिर अपराधी आज गाजीपुर पुलिस के फौलादी इरादों के आगे घुटने टेकने को मजबूर हो गए।

इनमें एक पच्चीस हजार का इनामी बदमाश भी शामिल है, जो पहले कई वारदातों में वांछित चल रहा था।

खानपुर और सैदपुर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में हुई मुठभेड़ में तीनों के पैरों में गोली लगी, और मौके पर ही गिरफ्त में आ गए।

कैसे शुरू हुआ ऑपरेशन?

2 जुलाई को एसपी डॉ ईरज राजा के निर्देश पर जिले में अपराधियों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था।

थानाध्यक्ष खानपुर अपनी टीम के साथ पोखरा मोड़ पर चेकिंग कर रहे थे, तभी तीन संदिग्ध बाइक सवार बिना हेलमेट तेज़ी से भुझउआ की ओर आते दिखे। रोकने का प्रयास हुआ, तो बदमाशों ने बाइक पुलिस टीम पर चढ़ाने की कोशिश की और फरार हो गए।

तुरंत पीछा करते हुए थाना प्रभारी ने त्ज सेट से कंट्रोल रूम और थाना सैदपुर को सूचना दी।

सैदपुर पुलिस ने बूढ़ीपुर मोड़ पर सख्त घेराबंदी की, और जब अपराधियों ने खुद को फंसा पाया कृ देशी तमंचों से पुलिस पर जानलेवा हमला करते हुए तीन राउंड फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में तीनों अपराधियों के पैरों में गोली लगी। उन्हें घायल अवस्था में ब्भ्ब् खानपुर भेजा गया।

गिरफ्तार अपराधियों की पहचान अविनाश यादव पुत्र स्व. भरत यादव 25,000 का इनामी, ग्राम कूड़ालंबी थाना खानपुर, विकास उर्फ करिया यादव पुत्र रामकुँअर, ग्राम नरकटा फोक, थाना चंदवक, जिला जौनपुर, देवेंद्र उर्फ कल्लू चौहान पुत्र वीरेंद्र चौहान, ग्राम कैंथवलिया थाना खानपुर है।

पूछताछ में सभी ने कबूला–

साहब हम मुकदमों में वांछित थे, पकड़े जाने से बचने के लिए फायरिंग की

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक सैदपुर मय टीम व थानाध्यक्ष खानपुर मय टीम शामिल रहे।

'सबका जम्मू-कश्मीर' समाचार पत्र के पाँचवे संस्करण पर नेताओं व समाजसेवियों ने दी शुभकामनाएँ।

क़स्बा के स्थानीय लोग बजुह नदी में फैली गंदगी को लेकर अपना रोष जताते

सनी शर्मा

हीरानगर /मढ़ीन ष्सबका जम्मू–कश्मीरष् समाचार पत्र ने अपने पाँचवे संस्करण के सफल प्रकाशन के साथ जनहित, निष्पक्ष पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारा. की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। इस उपलक्ष्य में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, समा. जसेवियों और बुद्धिजीवियों ने संपादकीय टीम व मढ़ीन/हीरानगर में समाचार को रुपरेखा देने वाले पत्रकार सनी शर्मा को हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व जसरोटा के पूर्व सरपंच सुदर्शन शर्मा ने कहा की, "श्सबका जम्मू–कश्मीरश समाचार पत्र प्रदेश की सकारात्मक पत्रकारिता का उदाहरण है। इसने आमजन की आवाज को प्राथमिकता दी है। हम इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।"

समाज सेवक अनिल शर्मा राम मूर्ति ने कहा, "यह समाचार पत्र जनसमस्याओं को प्रमुखता देता है और समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सभी ने आशा जताई कि "सबका जम्मू–कश्मीर" समाचार पत्र आगे भी निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा के साथ जनता की आवाज़ को मंच देता रहेगा।

पल्ली मोड़ पर बाबा बर्फानी सेवा मंडल के 14वें लंगर का शुभारंभ, विधायक डॉ. भारत भूषण रहे मुख्य अतिथि

राज कुमार

पल्ली मोड़/कठुआ, राष्ट्रीय राजमार्ग पर पल्ली मोड़ के पास बाबा बर्फानी सेवा मंडल की ओर से अमरनाथ यात्रियों के लिए लगाए गए 14वें विशाल लंगर का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने लंगर सेवा की सराहना करते हुए कहा कि यह सेवा यात्रियों के लिए निःस्वार्थ भाव से किया गया एक प्रशंसनीय कार्य है, जो श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है।

सेवा मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी यात्रियों की सुविधा और भोजन की उत्तम व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। लंगर में दिन–रात यात्रियों को निशुल्क भोजन, चाय और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय लोग व स्वयंसेवक भी मौजूद रहे।

चीन ने भारत-पाक संघर्ष को लाइव लैब की तरह इस्तेमाल किया, उधार के चाकू से हत्या की रणनीति अपनाई

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने शुक्रवार को कहा कि चीन ने मई में चार दिनों तक चले भारत–पाकिस्तान संघर्ष का इस्तेमाल विभिन्न हथियार प्रणालियों के परीक्षण के लिए एक "लाइव प्रयोगशाला" की तरह किया और वह "उधार के चाकू" से दुश्मन को मारने की अपनी प्राचीन सैन्य रणनीति के अनुरूप इस्लामाबाद को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान ष्अग्रणी चेहराष् था, चीन अपने सदाबहार सहयोगी को हर संभव सहायता दे रहा था, तुर्की भी इस्लामाबाद को सैन्य हार्डवेयर की आपूर्ति करके एक प्रमुख भूमिका निभा रहा था, उन्होंने कहा कि भारत वास्तव में 7–10 मई के संघर्ष के दौरान कम से कम तीन विरोधियों से निपट रहा था।

उद्योग चैंबर फिक्की द्वारा आयोजित ष्न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीजष् पर एक सेमिनार में अपने संबोधन में लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने सुझाव दिया कि चीन अपने उपग्रहों का उपयोग भारतीय सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए करता है, क्योंकि पाकिस्तानी सेना को डीजीएमओ (सैन्य संचालन महानिदेशक) स्तर की फोन वार्ता के दौरान इसके बारे में लाइव इनपुट मिल रहे थे।

उप सेना प्रमुख ने चीन की प्राचीन सैन्य रणनीति ष्36 तरकीबेंष् और ष्उधार के चाकूष् से दुश्मन को मार डालने का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि बीजिंग ने भारत को तकलीफ पहुंचाने के लिए पाकिस्तान को हर संभव मदद दी है।

भारतीय सेना के क्षमता विकास और संधारण संबंधी कार्य देखने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा कि इस्लामाबाद को बीजिंग का समर्थन आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि पाकिस्तानी सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 81 प्रतिशत सैन्य हार्डवेयर चीन से आते हैं।

उन्होंने कहा, ष्पाकिस्तान सबसे आगे था। चीन ने हमें हर संभव सहायता प्रदान की। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि अगर आप पिछले पांच सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो पाकिस्तान को मिलने वाला 81 प्रतिशत सैन्य हार्डवेयर चीनी है।ष्

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, ष्वह (चीन) उत्तरी सीमा पर कीचड़ उछालने की होड़ में शामिल होने के बजाय पड़ोसी (पाकिस्तान) का इस्तेमाल कर (भारत को) दर्द पहुंचाना पसंद करेगा।ष्

उन्होंने कहा कि तुर्की ने पाकिस्तान को सहायता प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, ष्हमने युद्ध के दौरान, युद्ध के दौरान, कई ड्रोनों को आते और उतरते देखा, साथ ही वहां मौजूद लोगों को भी। सैन्य अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को इस संघर्ष से सबक सीखने की जरूरत है।

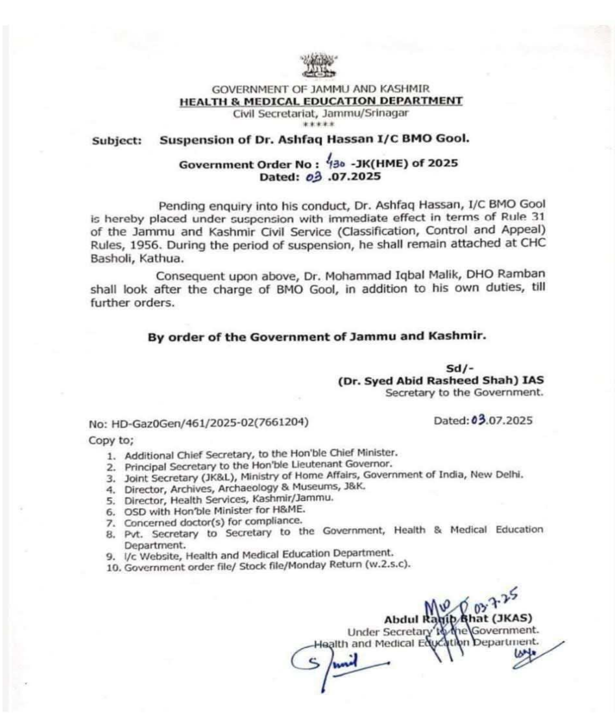

GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR
HEALTH & MEDICAL EDUCATION DEPARTMENT
Civil Secretariat, Jammu/Srinagar
*****

Subject: Suspension of Dr. Ashfaq Hassan I/C BMO Gool.

Government Order No : 430 -JK(HME) of 2025
Dated: 03 .07.2025

Pending enquiry into his conduct, Dr. Ashfaq Hassan, I/C BMO Gool is hereby placed under suspension with immediate effect in terms of Rule 31 of the Jammu and Kashmir Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1956. During the period of suspension, he shall remain attached at CHC Basholi, Kathua.

Consequent upon above, Dr. Mohammad Iqbal Malik, DHO Ramban shall look after the charge of BMO Gool, in addition to his own duties, till further orders.

By order of the Government of Jammu and Kashmir.

Sd/-
(Dr. Syed Abid Rasheed Shah) IAS
Secretary to the Government.

No: HD-Gaz0Gen/461/2025-02(7661204) Dated: 03.07.2025

Copy to;
1. Additional Chief Secretary, to the Hon'ble Chief Minister.
2. Principal Secretary to the Hon'ble Lieutenant Governor.
3. Joint Secretary (JK&L), Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.
4. Director, Archives, Archaeology & Museums, J&K.
5. Director, Health Services, Kashmir/Jammu.
6. OSD with Hon'ble Minister for H&ME.
7. Concerned doctor(s) for compliance.
8. Pvt. Secretary to Secretary to the Government, Health & Medical Education Department.
9. I/c Website, Health and Medical Education Department.
10. Government order file/ Stock file/Monday Return (w.2.s.c).

03.7.25
Abdul Rashid Bhat (JKAS)
Under Secretary to the Government.
Health and Medical Education Department.

बीएमओ गूल डॉ. अशफाक हसन निलंबित, बसोहली सीएचसी में रहेंगे संलग्न

राज कुमार

कठुआ, जम्मू–कश्मीर सरकार ने गूल के प्रभारी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. अशफाक हसन को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई उनके आचरण की जांच लंबित रहने के चलते की गई है।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, डॉ. हसन को नियम 31 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है और उन्हें निलंबन की अवधि में कठुआ जिले के बसोहली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संलग्न रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इधर, रामबन के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहम्मद इक़बाल मलिक को बीएमआ गूल का अति. रिक्त प्रभार सौंपा गया है। वह यह जिम्मेदारी अपने मौजूदा कार्यों के साथ संभालेंगे।

सरकारी आदेश स्वास्थ्य सचिव डॉ. सैयद आबिद राशिद शाह द्वारा जारी किया गया।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

सबका जम्मू कश्मीर के पांचवे संस्करण पर समाज सेवक आई. डी. खजुरियां ने दी शुभकामनाएं

निष्पक्ष और सटीक पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़ है दृ आई. डी. खजुरियां

समाज सेवक आई. डी. खजुरियां "सबका जम्मू कश्मीर" हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र की प्रति पढ़ते हुए।

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी/कठुआ। ष्सबका जम्मू कश्मीरष् हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र का पांचवां संस्करण शनिवार को प्रकाशित होने के पश्चात् सम्पादक राज कुमार ने समाज सेवक आई. डी. खजुरियां से औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने उन्हें समाचार पत्र की प्रति सादर भेंट की।

आई. डी. खजुरियां ने समाचार पत्र की नवीनतम प्रति देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और इसके सफलतम प्रकाशन पर सम्पूर्ण टीम को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहारू

"निष्पक्ष और सटीक पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़ होती है। 'सबका जम्मू कश्मीर' जैसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में अत्यंत सराहनीय हैं।" सम्पादक राज कुमार ने जानकारी दी कि समाचार पत्र का उद्देश्य निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देना और जनमानस की आवाज को मंच देना है। उन्होंने बताया कि यह प्रयास भविष्य में और भी प्रभावी रूप से जारी रहेगा। गौरतलब है कि सबका जम्मू कश्मीर समाचार पत्र का रजिस्ट्रेशन होने के बाद इसकी पहली प्रति 31 मई को प्रकाशित हुई थी। इसके उपरांत 7 जून को दूसरा, फिर तीसरा, चौथा और अब पांचवां संस्करण पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। समाचार पत्र में स्थानीय एवं क्षेत्रीय समाचारों के साथ–साथ सामाजिक, सांस्कृतिक एवं विकासात्मक विषयों को भी प्रमुखता दी जाती है।

गांव दबूज शहजादा में नौ दिवसीय माँ बगलामुखी महायज्ञ का हुआ समापन

सनातन धर्म के कल्याण हेतु आयोजित हुआ विशेष आयोजन

राज कुमार

सांबा, 4 जुलाई 2025 : नागभूमि जम्मू कश्मीर के जिला सांबा स्थित गांव दबूज शहजादा में आयोजित नौ दिवसीय माँ बगलामुखी महायज्ञ का शुक्रवार को विधिवत रूप से पूर्णाहुति के साथ समापन हो गया।

महायज्ञ का आयोजन आचार्य यति सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के सान्निध्य में 26 जून से शुरू हुआ था, जो गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर सम्पूर्ण विश्व में सनातन धर्म की स्थापना और समस्त सनातनियों के कल्याण हेतु संपन्न किया गया।

यज्ञ में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं और सनातन धर्म प्रेमियों ने भाग लिया और मां बगलामुखी तथा भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूर्णाहुति के अवसर पर भक्तों ने यज्ञकुंड में आहुतियाँ अर्पित कीं और धर्म की रक्षा का संकल्प लिया।

इस महायज्ञ में यज्ञाचार्य की भूमिका निभाई पूज्य यति सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने, जो परम पूज्य महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि जी महाराज, जूना अखाड़ा के शिष्य हैं।

इस पवित्र आयोजन के आयोजक विक्रम सिंह बोगल थे, जो गांव दबूज शहजादा, जिला सांबा, नागभूमि जम्मू कश्मीर से हैं।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महायज्ञ से जुड़े संतों ने सनातन संस्कृति की महानता और उसके संरक्षण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजनों की निरंतरता की कामना की।

हीरानगर के सीमावर्ती गांवों के लिए इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने की मांग तेज़, धरम पाल कुंडल ने लखनपुर में आरटीओ से की मुलाकात

सनी शर्मा

लखनपुर/मढीनरू नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता, जम्मू ज़ोन के ज़ोनल सचिव व हीरानगर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी धरम पाल कुंडल ने ब्लॉक अध्यक्ष सोहन सिंह जसरोटिया के साथ सोमवार को लखनपुर में आरटीओ सुरिंदर शर्मा (श्रज्ञ ै) से मुलाकात की।

कुछ दिन पहले, हीरानगर दौरे के दौरान, नेशनल कांफ्रेंस नेता धरम पाल कुंडल ने माननीय कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा से चडवाल से बॉर्डर रोड जम्मू तक इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने की मांग रखी थी। मंत्री ने इस मांग से सहमति जताते हुए भरोसा दिलाया था कि हीरानगर के सीमावर्ती गांवों को इलेक्ट्रिक बस सेवा उपलब्ध करवाई जाएगी।

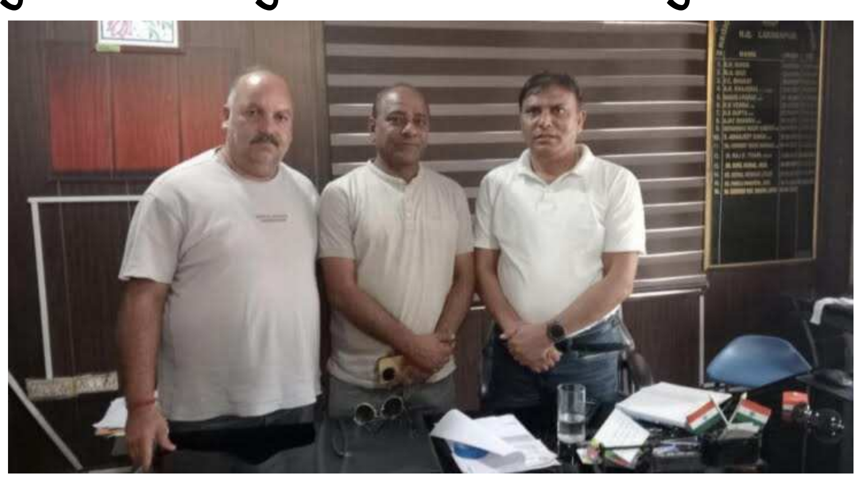

इसी क्रम में, सोमवार को धरम पाल कुंडल ने आरटीओ कठुआ से मुलाकात कर मांग की कि यह इलेक्ट्रिक बस सेवा जल्द से जल्द शुरू की जाए।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बचपन के स्कूल पहुंचे, स्मार्ट क्लासरूम, हाइजिन किचन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली

स्कूल से हर व्यक्ति का खास जुड़ाव होता है. बड़े होने के बाद एक बार फिर स्कूल जाना सभी को काफी ज्यादा भावुक कर देता है. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान गुरुवार को अपने बचपन के स्कूल पहुंचे. शिक्षा मंत्री ओडिशा के तालचेर के अपने बचपन के स्कूल हांडीधुआं प्राइमरी स्कूल पहुंचे. इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर सालों बाद अपने बचपन के स्कूल जाने की भावनाएं सभी के साथ शेयर की.

शिक्षा मंत्री न सिर्फ अपने स्कूल गए बल्कि उन्होंने स्कूल को कई सौगात दी. शिक्षा मंत्री ने स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन किया. जो शिक्षा को और भी बेहतर बनाएगी, इन क्लास के जरिए छात्र कई नई चीजें सीख सकेंगे, साथ ही टेक्नोलॉजी से जुड़ सकेंगे.

इसी के साथ शिक्षा मंत्री ने बच्चों के स्वाथ्य का ध्यान रखते हुए एक हाइजीन किचन का भी उद्घाटन किया है. साथ ही नवीकृत भवन और डाइनिंग हॉल का भी उद्घाटन किया गया. इसी के साथ एक पेड़ मां के नाम के तहत 76वें वन महोत्सव 2025 में वृक्षारोपण भी किया.

शिक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आज एक बार फिर अपने बचपन के विद्यालय हांडीधुआं प्राइमरी स्कूल, तालचेर में आकर मन भावविभोर हो गया.

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवेर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधिकता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है। ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

श्री हनुमान मंदिर मलेरकोटला की ओर से बालटाल में 25वां विशाल भंडारा आयोजित

विधायक राजीव जसरोटिया ने की लंगर सेवा की शुरूआत

सबका जम्मू कश्मीर

बालटाल : अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर बालटाल आधार शिविर में लंगर कमेटी श्री हनुमान मंदिर, मलेरकोटला द्वारा गुरुवार को 25वां विशाल भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर जसरोटा से विधायक राजीव जसरोटिया ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर भंडारे का शुभारंभ किया। उन्होंने यात्रियों को अपने हाथों से प्रसाद वितरित कर लंगर सेवा में भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर बालटाल कैंप इंचार्ज व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शाहिद इक़बाल चौधरी की विशेष उपस्थिति रही, जिनकी निगरानी में यह आयोजन बेहद सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। हर वर्ष की तरह इस बार भी लंगर कमेटी द्वारा हज़ारों श्रद्धालुओं के लिए अन्न–जल की उत्तम व्यवस्था की गई है। देश के कोने–कोने से पहुंचे श्रद्धालु यहाँ प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं और आयोजन की भूरी–भूरी प्रशंसा कर रहे हैं।

विधायक राजीव जसरोटिया ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है, और ऐसे आयोजनों से समाज में समरसता और भक्ति का भाव और भी मजबूत होता है। उन्होंने सभी सेवकों, दानदाताओं और आयोजन से जुड़े लोगों को बधाई दी।

इस मौके पर भंडारे में विशेष योगदान देने वाले चेयरमैन श्री अमृत लाल गर्ग सेवा में समर्पित सहयोगी शाम शर्मा, सतीश आहूजा, पवन गुप्ता, नरेश शर्मा, प्रशोतम जिंदल भी उपस्थित थे

भंडारे में श्जय बाबा बर्फानीश और श्हर हर महादेवश के जयघोषों के साथ भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि सेवा कार्य अगले कई दिना. ें तक निरंतर जारी रहेगा।

डाउन-सिंड्रोम से पीड़ित किशोरी ने मोतियाबिंद की जटिल सर्जरी के बाद वापस अपनी दृष्टि प्राप्त की

सबका जम्मू कश्मीर

मोहाली : डाउन–सिंड्रोम से पीड़ित 14 वर्षीय लड़की ने मोहाली के मैक्स अस्पताल में मोतियाबिंद की सफल सर्जरी के बाद अपनी दृष्टि वापस प्राप्त की। उसकी दोनों आँखों में मोतियाबिंद था और वह जन्मजात हृदय रोग, वाचाघात, अंग विकृति और बौद्धिक विकलांगता सहित कई विकलांगताओं से भी पीड़ित थी।

लड़की को बचपन में ही मोतियाबिंद हो गया था, जिसके कारण धीरे–धीरे उसकी दृष्टि कम होती गई। किशोरावस्था में, वह पूरी तरह से अंधी हो गई, जिससे उसके जीवन की गुणवत्ता पर बहुत बुरा असर पड़ा। पिछले दो वर्षों में, उसके माता–पिता ने विभिन्न नेत्र विशेषज्ञों और तृतीयक देखभाल केंद्रों से मदद मांगी, लेकिन सर्जरी में शामिल उच्च जोखिम के कारण उन्हें बार–बार मना कर दिया गया।

समय के साथ माता–पिता ने लड़की में धीरे–धीरे दृष्टि कम होने के लक्षण देखे, क्योंकि वह वस्तुओं को खोजने में संघर्ष करती थी और बार–बार गिरने लगी, जिससे अंततः उसकी दोनों आँखों की पूरी दृष्टि चली गई।

मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली में नेत्र रोग निदेशक डॉ. हरप्रीत कपूर ने बताया कि मोतियाबिंद के कारण लड़की की दोनों आँखों की रोशनी चली गई थी और उसकी दृष्टि को वापस पाने की एकमात्र उम्मीद मोतियाबिंद की सर्जरी ही थी। डॉ. हरप्रीत कपूर ने आगे कहा, ष्यह एक दुर्लभ और जटिल मामला था, जो निस्टागमस के कारण और भी जटिल हो गया था – एक ऐसी स्थिति जिसमें आँखों की अनैच्छिक हरकत. ें होती हैं, जिससे आँखों की प्रारंभिक जाँच भी विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हो जाती थी।

हालाँकि, बच्ची को कई प्रणालीगत समस्याएँ थीं, लेकिन उसकी दृष्टि को बनाए रखने और उसके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए समय पर सर्जरी करना ज़रूरी था।ष्उन्होंने बताया कि मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए फेकोएमल्सीफिकेशन सिस्टम का उपयोग करने वाली एक विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया और दोनों आँखों में एक प्रीमियम इंट्राओ. कुलर लेंस प्रत्यारोपित किया गया।

दोनों सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की गईं। वह वस्तुओं को उठाने और लिखने जैसे बारीक काम भी करने में सक्षम है, जिससे यह और भी स्पष्ट हो गया है कि उसकी दृष्टि प्रभावी रूप से वापस आ गई है। मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित नागपाल ने कहा, ष्यह मामला न केवल चुनौतीपूर्ण था बल्कि बहुत दुर्लभ भी था। बच्चे को समय पर सर्जरी मिल सके, यह सुनिश्चित करने में हमारी नेत्र रोग टीम के प्रयास महत्वपूर्ण थे।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशमन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776

परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्ववीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

विधायक राजीव जसरोटिया ने किया मुट्ठी जागीर में शहीदों की याद में कबड्डी टूर्नामेंट का शुभारंभ, युवाओं में दिखा जोश

दंगल आयोजको पर उठ रहे हैं सवाल नहीं थी कोई आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था

मुख्य अतिथि विधायक राजीव जसरोटिया कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाते हुए।

कबड्डी मैच के दौरान जोरदार प्रदर्शन करते हुए खिलाड़ी।

सबका जम्मू कश्मीर

मुट्ठी जागीर/नगरी/कठुआ : शहीदों की स्मृति में आयोजित कबड्डी टूर्नामेंट का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया मौजूद रहे। टूर्नामेंट की शुरुआत पर स्थानीय कमेटी ने फूल मालाओं से विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया।

टूर्नामेंट के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं ने भाग लिया और खेल भावना के साथ कबड्डी मुकाबलों में अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम में विधायक जसरोटिया ने कहा कि खेलों से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि समाज में भाईचारा और एकजुटता भी बढ़ती है।

आयोजन समिति ने बताया कि यह टूर्नामेंट हर साल शहीदों की स्मृति में आयोजित किया जाता है, ताकि उनकी कुर्बानी को याद किया जा सके और युवाओं को प्रेरित किया जा सके।

ग़ज़ल

बालम पानी दूर बहुत है
पर यह दिल मज़बूर बहुत है
बेशक शीशा टूट गया है,
किरचियां भीतर नूर बहुत है।
जाने को फिर ज़िद करता है,
आने को मज़बूर बहुत है।
घर में उस को कोई ना जाने,
वैसे वह मशहूर बहुत है।
पानी बीच पतासा घुलता,
सुन्दर रूप ग़रूर बहुत है
बाहर से है लीपा पोती,
दिल अंदर तंदूर बहुत है।
पहले माफ़ी मांग चुका है,
छोडो और हजूर बहुत है।
डाली–डाली झुकती जाए,
आम की डाली बूर बहुत है।
हर राही का दिल ललचाए,
डाली पर अंगूर बहुत है।
शिक्षा घर–घर पहुंच गई है,
नगरी में मज़दूर बहुत है।
रातें भी परवाह नहीं करतीं,
सूरज भी मग़रूर बहुत है।
बालम बंधन उम्रों का है,
ज़ख़्म अभी नासूर बहुत है।

बलविंदर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर गुरदासपुर पंजाब
मों– 98156–25409

कठुआ में उर्दू भाषा को अनिवार्य करने के फैसले के खिलाफ भाजपा का जोरदार विरोध, विधायक डॉ. भारत भूषण रहे अगुवाई में

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने कठुआ में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन नायब तहस. ीलदार पदों के लिए उर्दू भाषा को अनिवार्य करने के सरकारी फैसले के खिलाफ किया गया।

भाजपा ने सरकार पर क्षेत्रीय और भाषाई भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि यह फैसला जम्मू के युवाओं के साथ अन्याय है। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे भाजपा विधायक डॉ. भारत भूषण ने कहा कि यह कदम जानबूझकर जम्मू क्षेत्र के युवाओं को सरकारी नौकरियों से दूर रखने की साजिश है।

डॉ. भारत भूषण ने सरकार से इस फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की और कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो भाजपा पूरे प्रदेश में बड़ा आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को जम्मू के छात्रों और युवाओं की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए, न कि उनके भविष्य के साथ खिलवाड़।

इस मौके पर डीडीसी चेयरमैन कर्नल महान सिंह, भाजपा जिला प्रधान उपदेश आंदोत्रा,डीडीसी वाईस चेयरमैन रघुनंदन सिंह उर्फ बबलू, भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रेम नाथ डोगरा व अन्य भाजपा कार्यकर्ता व स्थानीय लोग शामिल हुए और सरकार के खिलाफ नारेबा. जी की।

हीरानगर कॉलेज ने "उन्नत भारत अभियान" के तहत शुरू किया घरेलू सर्वेक्षण

सनी शर्मा

हीरानगर, सरकारी गिरधारी लाल डोगरा मेमो. रियल डिग्री कॉलेज हीरानगर में आज "उन्नत भारत अभियान" के तहत चयनित गांवों में घरेलू सर्वेक्षण की शुरुआत की गई। यह जानकारी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा खन्ना के संरक्षण में दी गई।

सर्वेक्षण के तहत कॉलेज की टीम अर्जुन चक, तुथे चक, फेरू चक, सूबा चक और तंडवाल गांवों में घर–घर जाकर लोगों से जानकारी जुटाएगी। इस अभियान का उद्देश्य गांवों के सामाजिक, आर्थिक, और बुनियादी ढांचे से जुड़ी समस्याओं को समझना है ताकि भविष्य में इन क्षेत्रों के विकास के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें। यह कार्यक्रम केंद्र सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की प्रमुख योजना "उन्नत भारत अभियान" के अंतर्गत चलाया जा रहा है। सर्वेक्षण के जरिए जनसंख्या, रहन–सहन, सेवाओं की उपलब्धता और दूसरी जरूरी बातों की जानकारी जुटाई जाएगी। इस मौके पर उन्नत भारत अभियान के समन्वयक प्रो. राकेश शर्मा, डॉ. राज. श कुमार शर्मा और कॉलेज के कई छात्र भी मौजूद रहे। कॉलेज प्रशासन का मानना है कि इस सर्वेक्षण से गांवों की वास्तविक जरूरतों को समझकर लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा सकेगा।

मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों को निपटाने के लिए विशेष मध्यस्थता अभियान राष्ट्र के लिए शुरू किया गया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के साथ मिलकर मध्यस्थता राष्ट्र के लिए नामक एक विशेष मध्यस्थता अभियान की परिकल्पना की है। यह पहल भारत के मुख्य न्यायाधीश और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के मार्गदर्शन में शुरू की जा रही है, जो नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष और डब्ब के अध्यक्ष भी हैं। यह अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है और 1 जुलाई से 22 सितंबर, 2025 तक मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों को निपटाने के लिए एक गहन अभियान के रूप में चलाया जाएगा। यह भारत भर के तालुका न्यायालयों, जिला न्यायालयों और उच्च न्यायालयों को कवर करेगा। वाईपी बौर्नी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जम्मू/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जम्मू की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला मुख्यालय जम्मू के न्यायिक अधिकारियों के साथ विशेष मध्यस्थता अभियान– राष्ट्र के लिए मध्यस्थता के संबंध में एक बैठक हुई।

इस अभियान का उद्देश्य भारत के सभी तालुका न्यायालयों, जिला न्यायालयों और उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निपटाना है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने न्यायिक अधिकारियों को अभियान के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और समयसीमा के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य लंबित मामलों और अदालती लंबित मामलों को कम करना, वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र उपलब्ध कराना, वादियों के लिए समय और लागत बचाना, सौहार्दपूर्ण समझौतों को बढ़ावा देना और न्याय तक पहुंच बढ़ाना है।

बाद में, जम्मू के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाईपी बौर्नी ने भी मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए यह जानकारी साझा की। विशेष अभियान के दौरान, सभी मामले जिनमें समझौते के तत्व शामिल हैं, उन्हें मध्यस्थता के लिए भेजा जा सकता है। इनमें वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा मामले, आपराधिक समझौता योग्य अपराध, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, विभाजन, बेदखली, भूमि अधिग्रहण और अन्य उपयुक्त सिविल मामले जैसी विभिन्न श्रेणियों के तहत लंबित मामले शामिल हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाईपी बौर्नी ने आगे बताया कि अभियान अवधि के दौरान जम्मू जिले की सभी अदालतें मध्यस्थता प्रक्रिया के माध्यम से निपटान के लिए योग्य मामलों को लेंगी।

उन्होंने आम जनता से आग्रह किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने लंबे समय से लंबित विवादों को मध्यस्थता के माध्यम से सौहार्दपूर्ण और कुशलतापूर्वक हल करें। वादी अपने मामलों को मध्यस्थता पैनल के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए अपनी संबंधित अदालतों से संपर्क कर सकते हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जनगणना और आदिवासी पहचान का सवाल

संजय पराते

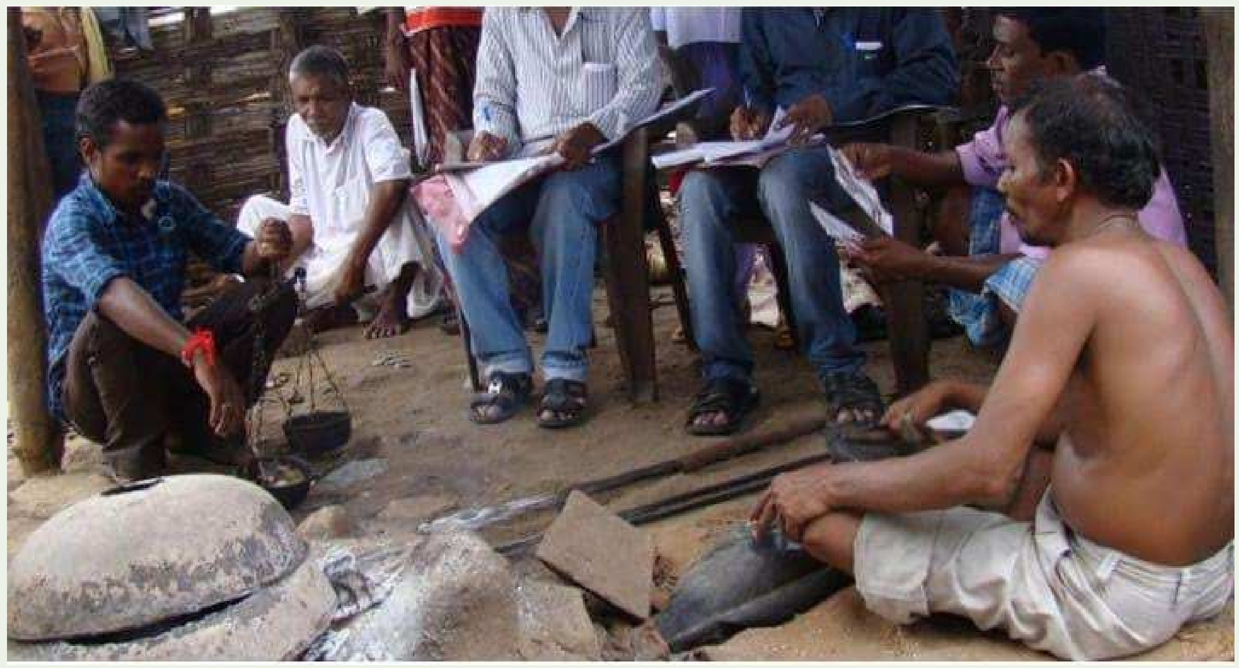

जनगणना 2027 के लिए गजट अधिसूचना में जो इतनी ज्यादा देर की गई है, उसकी हो रही आलोचना पूरी तरह से सही है, क्योंकि वादा किया गया था कि जनगणना के साथ ही जाति जनगणना की जाएगी। लेकिन गजट अधिसूचना में इस मामले में स्पष्टता का अभाव है। आदिवासी/एसटी (ये दोनों शब्द एक–दूसरे की जगह उपयोग में लाए जाते हैं) समुदायों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग पर भी शायद ही कोई चर्चा हो कि जनगणना के हिस्से के रूप में आस्था की प्रणालियों सहित उनकी विशिष्ट पहचान को मान्यता दी जाए।

जनगणना में व्यक्ति–विशेष की धार्मिक मान्यताओं के पंजीकरण के माध्यम से देश की धार्मिक जनसांख्यिकी का पता लगाना शामिल है। उल्लिखित धर्म हिंदू धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म, सिख धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म हैं। अन्य मान्यताओं वाले लोगों के लिए ष्अन्य धार्मिक विश्वासष (ओआरपी) का एक और सामान्य कॉलम है, लेकिन आदिवासी/एसटी समुदायों की मान्यताओं के लिए कोई कॉलम नहीं है। कई मामलों में यह चूक असंवैधानिक है।

संविधान में आदिवासी/एसटी विश्वासों, रीति–रिवाजों और परंपराओं की सुरक्षा के लिए विशिष्ट प्रावधान हैं, जैसे कि पांचवीं और छठी अनुसूची में परिलक्षित होते हैं। इसके अलावा अनुच्छेद 371–ए और 371–बी में क्रमशः नागालैंड और मिजोरम में प्रथागत कानूनों और प्रथाओं के लिए विशिष्ट सुरक्षा है। संविधान अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जो किसी विश्वास को मानने, उसका निर्वहन करने और प्रचार करने और धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने के अधिकार को सुनिश्चित करता है। आदिवासियों/एसटी के लिए, इन अधिकारों को जनगणना सहित हर सामान्य कानूनी और नीतिगत ढांचे में प्रकृति पूजा और पैतृक परंपराओं पर केंद्रित अलग–अलग आस्था आधारित विश्वासों और प्रथाओं को मान्यता देने में रूपांतरित करना चाहिए। जनगणना को छह प्रमुख धर्मों या अस्पष्ट ओआरपी श्रेणी तक सीमित रखना आदिवासियों को मुख्य धारा के धर्मों के साथ गलत पहचान स्थापित करने या ओआरपी जैसी एक व्यापक और अस्पष्ट श्रेणी में धकेलने के लिए मजबूर करना है और यह संविधान के अनुच्छेद–25 की भावना का उल्लंघन करता है।

यह गलत पहचान 2011 की जनगणना के उपलब्ध आंकड़ों में भी दिखाई देती है। 2011 की जनगणना में आदिवासी/एसटी की आबादी 10.43 करोड़ या तब की कुल 120 करोड़ की आबादी का 8.6 प्रतिशत बताई गई थी। इन 10.43 करोड़ आदिवासियों/एसटी ने अपनी धार्मिक पहचान कैसे दर्ज की? अगर जनगणना की तालिका सी–01 में दिए गए ष्अन्य धार्मिक विश्वास (ओआरपी)ष कॉलम को देखें, तो ओआरपी के तहत केवल 0.66 प्रतिशत आबादी या सिर्फ़ 79 लाख लोगों ने ही पंजीकरण कराया है, जिसका मतलब है कि एसटी समुदायों के बड़े हिस्से ने अपनी धार्मिक या आध्यात्मिक पहचान दर्ज नहीं कराई है या उन्हें दूसरे धर्मों के साथ गलत पहचान दर्ज करानी पड़ी। यह स्पष्ट रूप से अनुचित और अन्यायपूर्ण है।

एक और पहलू भी है। आदिवासी समुदायों के अधिकांश लोग दूर–दराज के ग्रामीण इलाकों में रहते हैं और उन्हें ओआरपी विकल्प के अर्थ के बारे में बहुत कम जानकारी है। यह जागरूकता केवल उन जगहों पर है, जहाँ आदिवासी संगठनों ने आदिवासी पहचान को अपनी पहचान के साधन के रूप में ओआरपी के तहत अपने विशिष्ट धर्म के पंजीकरण के बारे में सक्रिय रूप से जानकारी प्रदान की है, जहाँ ओआरपी की संख्या में वृद्धि हुई है। यह जनगणना तालिकाओं के परिशिष्ट में दिए गए ओआरपी के आगे के विश्लेषण में पाया गया है। झारखंड में जहाँ सरना आधारित लामबंदी हुई है, ओआरपी के तहत सरना के नाम पर विशेष रूप से पंजीकरण किसी भी राज्य की तुलना में सबसे अधिक था, जहाँ 49 लाख व्यक्तियों ने ओआरपी कॉलम में सरना के रूप में पंजीकरण कराया था। मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में, जहाँ गोंड समुदाय का लामबंदी महत्वपूर्ण है, वहाँ 10 लाख से अधिक व्यक्तियों ने ओआरपी कॉलम में गोंड धर्म के रूप में पंजीकरण कराया है। दूसरे शब्दों में, जहां सामान्य जानकारी ष्अन्य धार्मिक विश्वासष कॉलम की अस्पष्टता को तोड़ती है, आदिवासी समुदाय अपने स्वयं के धर्मों को पंजीकृत करना पसंद करते हैं।

यह मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि आदिवासी अधिकारों को प्रभावित करने वाले राजनीतिक संदर्भ बदल गए हैं। आदिवासियों के बीच ईसाई मिशनरियों और ईसाई धर्मांतरित लोगों को आरएसएस से जुड़े संगठनों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है और यह तो जगजाहिर है ही कि बहु–प्रचारित घर वापसी कार्यक्रम आदि के जरिए पिछले कुछ सालों में इन पर हमले भी बढ़े हैं। मोदी सरकार के शासन के एक दशक में आरएसएस संगठनों के काम का विस्तार आरएसएस के इस आख्यान को मजबूत करने के लिए हुआ है कि ष्वनवासीष ऐतिहासिक रूप से वृहद हिंदू परिवार का हिस्सा हैं। आदिवासी समुदायों के हिंदूकरण के ये नए तरीके हैं, जिसमें राज्य की शक्ति का इस्तेमाल करके पारंपरिक आदिवासी प्रमुखों के हिस्सों को विभिन्न तरीकों से अपने साथ शामिल किया जाता है और उन पर दबाव भी बनाया जाता है। वे आदिवासी रीति–रिवाजों को हिंदू प्रथाओं के साथ जोड़ने, पारंपरिक मंत्रों के बीच हिंदू देवताओं का जश्न मनाने वाले नारे लगाने, आदिवासी इलाकों में मंदिरों का निर्माण और हिंदू त्योहारों को मनाने, हिंदू धार्मिक नारों के साथ भगवा झंडे फहराने, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए पवित्र आदिवासी क्षेत्रों से मिट्टी लाने आदि की रणनीति के साधन बन गए हैं। प्रतिष्ठित सरकारी ईएमआर स्कूलों में पढ़ने वाले आदिवासी बच्चों को उनकी अपनी परंपराओं से ज़्यादा हिंदू रीति–रिवाज़, भजन और त्यौहारों के बारे में पढ़ाया जाता है। गरीब आदिवासी इलाकों में चल रहे आरएसएस संचालित स्कूलों के नेटवर्क के विस्तार के लिए फंड की कमी नहीं है और प्रसिद्ध कॉरपोरेटों के सीएसआर फंड आसानी से उपलब्ध हैं। मुद्दा यह है कि यह आरएसएस के मुख्य एजेंडे के हिस्से के रूप में आदिवासियों के बीच एक व्यापक हिंदुत्व पहचान के निर्माण की दिशा में एक सुविचारित योजना है।

> जनगणना 2027 की गजट अधिसूचना में देरी और आदिवासी धर्मों की अनदेखी उचित आलोचना के विषय हैं। वादा किया गया था कि जाति जनगणना भी साथ होगी, पर स्पष्टता का अभाव है। जनगणना में आदिवासी आस्थाओं के लिए कोई अलग कॉलम नहीं है, जिससे उनकी पहचान या तो छुप जाती है या गलत दर्ज होती है। यह संविधान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन है। झारखंड सरकार ने 2020 में सरना धर्म को मान्यता देने का प्रस्ताव पारित किया, लेकिन केंद्र ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। आरएसएस द्वारा आदिवासी संस्कृति का हिंदूकरण भी चिंता का विषय है। जनगणना में आदिवासी धर्म शीर्षक से अलग कॉलम जोड़ना जरूरी है, ताकि सभी आदिवासी समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कर सकें। यह लोकतंत्र और न्याय के लिए आवश्यक कदम है।

इससे आरएसएस का घोर पाखंड और आदिवासी पहचान और संस्कृति के प्रति उसकी वास्तविक अवमानना भी उजागर होती है। आरएसएस की मांग है कि जो आदिवासी ईसाई धर्म अपनाते हैं, उनसे अनुसूचित जनजाति के रूप में उनकी मान्यता छीन ली जानी चाहिए, क्योंकि उनके अनुसार आदिवासी धर्म और मान्यताओं के प्रति निष्ठा ही यह निर्धारित करती है कि व्यक्ति आदिवासी है या नहीं। फिर भी जो आदिवासी हिंदू रीति–रिवाजों का पालन करते हैं और हिंदू देवी–देवताओं की पूजा करते हैं या खुद को हिंदू के रूप में पहचानते हैं, वे अभी भी एसटी के रूप में मान्यता के पात्र हैं। वास्तव में संवैधानिक और कानूनी स्थिति यह है कि किसी भी समुदाय या समूह को अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता देना धार्मिक संबद्धता से नहीं, बल्कि कई अन्य कारकों से जुड़ा है।

वर्तमान शासन की श्एक राष्ट्र, एक संस्कृतिश परियोजना का संपूर्ण केंद्रीकरण और एकरूपता, आदिवासी समुदायों को गहराई से और नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। आदिवासी/एसटी के रूप में पहचाने जाने वाले 700 समुदायों में समानता और विविधता दोनों हैं। वास्तव में, भारत की विविधता का प्रतिनिधित्व एसटी समुदायों द्वारा किया जाता है, जो सांस्कृतिक, भाषाई और आध्यात्मिक विविधता के समृद्ध विरासत का प्रतीक हैं। आदिवासी समुदायों द्वारा हिंदुत्व में उन्हें आत्मसात करने के नए रूपों और तरीकों के खिलाफ़ कड़ा प्रतिरोध किया जा रहा है। जनगणना में आदिवासी आस्था को मान्यता देने की मांग प्रतिरोध का एक ऐसा ही रूप है।

नवंबर 2020 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार ने 2021 की जनगणना में सरना को एक अलग धर्म के रूप में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव पारित करने के लिए राज्य विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाया था। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया था। यहां तक कि भाजपा ने भी इसका विरोध करने की हिम्मत नहीं की। इसे मंजूरी और समावेश के लिए केंद्र के पास भेजा गया था। कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। 2021 में होने वाली जनगणना अब 2027 में की जाएगी, लेकिन यह प्रस्ताव आज भी उतना ही प्रासंगिक है। बहरहाल, यह मुद्दा केवल एक राज्य या एक विशिष्ट आदिवासी विश्वास तक सीमित नहीं है। चूंकि सभी राज्यों और सभी आदिवासी समुदायों के बीच विश्वासों की विविधता है, इसलिए जनगणना में आदिवासी/एसटी धर्म शीर्षक से एक अलग कॉलम जोड़ा जाना चाहिए, जिसमें आदिवासी अपने विशेष विश्वास को दर्ज कर सकें। इस तरह आदिवासी धर्म उल्लिखित अन्य छह धर्मों के बराबर हो जाएंगे। इस मांग को सभी राजनीतिक दलों के समर्थन की जरूरत है और उन्हें लोकतंत्र को मजबूत करने और न्याय के लिए आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को मजबूत करने के लिए इस तरह के समावेश के लिए सरकार पर दबाव बनाना चाहिए।

'(हिन्दू से साभार। लेखिका माकपा पोलिट ब्यूरो की पूर्व सदस्य और भारत में महिला आंदोलन की जुझारू नेता हैं। अनुवादक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं। संपर्क रू 94242–31650)'

जिला बार एसोसिएशन कठुआ ने उपायुक्त से मुलाकात कर कोर्ट और दतरों के स्थानांतरण पर जताई चिंता

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : जिला बार एसोसिएशन कठुआ के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष एडवोकेट अजात शत्रु शर्मा की अगुवाई में आज उपायुक्त कठुआ डॉ. राकेश मिन्हास से मुलाकात की। यह मुलाकात कुछ महत्वपूर्ण अदालता. और सरकारी दफ्तरों को कहीं और स्थानांतरित किए जाने की अफवाहों को लेकर की गई थी।

प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से कहा कि कोर्ट परिसर कठुआ में पहले से ही वकील, स्टांप वेंडर, टाइपिस्ट जैसी सुविधाएं एक ही जगह पर मौजूद हैं, जिससे वादकारियों को बहुत सुविधा मिलती है। लेकिन जो दफ्तर कोर्ट परिसर से दूर हैं, उनके लिए लोगों को निजी वाहन या सार्वजनिक परिवहन से 2 से 4 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय और पैसा दोनों खर्च होता है। एडवोकेट अजात शत्रु शर्मा ने बताया कि पहले भी बार एसोसिएशन ने उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से मिलकर मांग की थी कि सभी कोर्ट और कार्यालयों को कोर्ट परिसर के पास स्थित पशु चिकित्सा अस्पताल परिसर में शिफ्ट किया जाए। उपराज्यपाल ने इस पर कार्रवाई का आश्वासन दिया था और मामला संबंधित विभागों को भेजा गया था।

उपायुक्त कठुआ ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि फिलहाल केवल बाल कल्याण समिति और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (श्रश्ठ) को शिफ्ट करने का प्रस्ताव है और इसके लिए नागरी में एक सरकारी भवन पर विचार चल रहा है, क्योंकि यह कार्यालय अभी किराए की बिल्डिंग में चल रहा है। बाकी सभी दफ्तर वहीं रहेंगे जहाँ वे अभी हैं।

इस पर बार एसोसिएशन ने साफ कहा कि नागरी में श्रश्ठ को शिफ्ट करना वादकारियों और वकीलों के लिए मुश्किल होगा। इस कार्यालय को कोर्ट परिसर के पास किसी सरकारी बिल्डिंग में ही स्थानांतरित किया जाना चाहिए, ताकि सभी सेवाएं एक ही जगह पर मिल सकें और जनता को परेशानी न हो।

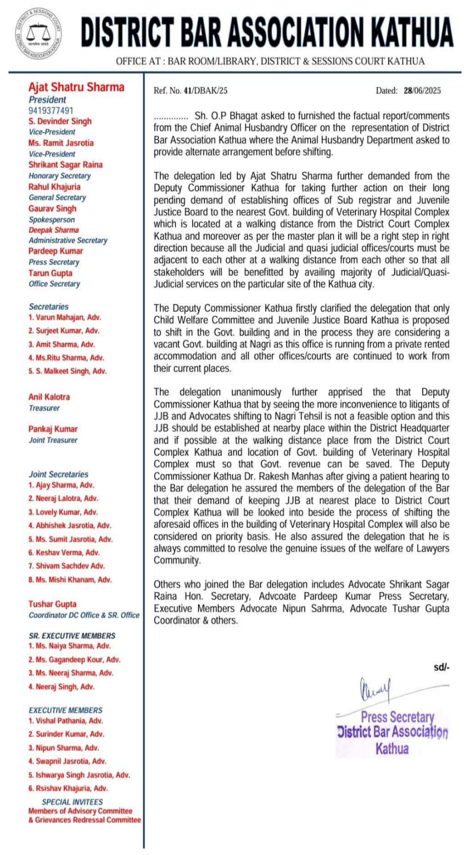
DISTRICT BAR ASSOCIATION KATHUA
OFFICE AT : BAR ROOM/LIBRARY, DISTRICT & SESSIONS COURT KATHUA

Ajat Shatru Sharma, President, 9419377491
S. Devinder Singh, Vice-President
Ms. Ramit Jasrotia, Vice-President
Shrikant Sagar Raina, Honorary Secretary
Rahul Khajuria, General Secretary
Gaurav Singh, Spokesperson
Deepak Sharma, Administrative Secretary
Pardeep Kumar, Press Secretary
Tarun Gupta, Office Secretary

Secretaries
1. Varun Mahajan, Adv.
2. Surjeet Kumar, Adv.
3. Amit Sharma, Adv.
4. Ms.Ritu Sharma, Adv.
5. S. Malkeet Singh, Adv.

Anil Kalotra, Treasurer
Pankaj Kumar, Joint Treasurer

Joint Secretaries
1. Ajay Sharma, Adv.
2. Neeraj Lalotra, Adv.
3. Lovely Kumar, Adv.
4. Abhishek Jasrotia, Adv.
5. Ms. Sumit Jasrotia, Adv.
6. Keshav Verma, Adv.
7. Shivam Sachdev Adv.
8. Ms. Mishi Khanam, Adv.

Tushar Gupta, Coordinator DC Office & SR. Office

SR. EXECUTIVE MEMBERS
1. Ms. Naiya Sharma, Adv.
2. Ms. Gagandeep Kour, Adv.
3. Ms. Neeraj Sharma, Adv.
4. Neeraj Singh, Adv.

EXECUTIVE MEMBERS
1. Vishal Pathania, Adv.
2. Surinder Kumar, Adv.
3. Nipun Sharma, Adv.
4. Swapnil Jasrotia, Adv.
5. Ishwarya Singh Jasrotia, Adv.
6. Rsishav Khajuria, Adv.

SPECIAL INVITEES
Members of Advisory Committee & Grievances Redressal Committee

Ref. No. 41/DBAK/25 Dated: 28/06/2025

.... Sh. O.P Bhagat asked to furnished the factual report/comments from the Chief Animal Husbandry Officer on the representation of District Bar Association Kathua where the Animal Husbandry Department asked to provide alternate arrangement before shifting.

The delegation led by Ajat Shatru Sharma further demanded from the Deputy Commissioner Kathua for taking further action on their long pending demand of establishing offices of Sub registrar and Juvenile Justice Board to the nearest Govt. building of Veterinary Hospital Complex which is located at a walking distance from the District Court Complex Kathua and moreover as per the master plan it will be a right step in right direction because all the Judicial and quasi judicial offices/courts must be adjacent to each other at a walking distance from each other so that all stakeholders will be benefitted by availing majority of Judicial/Quasi-Judicial services on the particular site of the Kathua city.

The Deputy Commissioner Kathua firstly clarified the delegation that only Child Welfare Committee and Juvenile Justice Board Kathua is proposed to shift in the Govt. building and in the process they are considering a vacant Govt. building at Nagri as this office is running from a private rented accommodation and all other offices/courts are continued to work from their current places.

The delegation unanimously further apprised the that Deputy Commissioner Kathua that by seeing the more inconvenience to litigants of JJB and Advocates shifting to Nagri Tehsil is not a feasible option and this JJB should be established at nearby place within the District Headquarter and if possible at the walking distance place from the District Court Complex Kathua and location of Govt. building of Veterinary Hospital Complex must so that Govt. revenue can be saved. The Deputy Commissioner Kathua Dr. Rakesh Manhas after giving a patient hearing to the Bar delegation he assured the members of the delegation of the Bar that their demand of keeping JJB at nearest place to District Court Complex Kathua will be looked into beside the process of shifting the aforesaid offices in the building of Veterinary Hospital Complex will also be considered on priority basis. He also assured the delegation that he is always committed to resolve the genuine issues of the welfare of Lawyers Community.

Others who joined the Bar delegation includes Advocate Shrikant Sagar Raina Hon. Secretary, Advcoate Pardeep Kumar Press Secretary, Executive Members Advocate Nipun Sahrma, Advocate Tushar Gupta Coordinator & others.

sd/-
Press Secretary
District Bar Association
Kathua

उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और कोर्ट परिसर के पास स्थित पशु चिकित्सा भवन में कार्यालयों को शिफ्ट करने की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल में एडवोकेट श्रीकांत सागर रैना (मानद सचिव), एडवोकेट प्रदीप कुमार (प्रेस सचिव), एडवोकेट निपुण शर्मा, एडवोकेट तुषार गुप्ता और अन्य सदस्य शामिल थे।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

साप्ताहिक "सबका जम्मू कश्मीर" की ओर से श्री अमरनाथ जी यात्रा-2025 के पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई ।

K2 LADDIE GYM & K2 LIBRARY

CONTACT NO.9541518471

AIRWAN ROAD NAGRI PAROLE KATHUA

श्री अमरनाथ जी यात्रा-2025

के पावन अवसर पर

सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

"हर हर महादेव!"

बाबा बर्फानी की कृपा सभी पर बनी रहे।

आपकी यात्रा मंगलमय, सुरक्षित और आध्यात्मिक अनुभवों से परिपूर्ण हो।

आई.डी. खजुरिया

प्रधान, सिटिजनज फॉर डेमोक्रेसी, जम्मू-कश्मीर

नेता, केन्द्रीय समिति, इंटरनेशनलईस्ट डेमोक्रिटिक प्लेटफॉर्म, इंडिया

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नंः 184151 । संपादकः राज कुमार